Web Portal
www.ghatatighatana.com
G.G. News
सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए एक प्रकाशन...
RNI REG.NO.-CHHHIN/2004/15050
डाक पंजीयन क्रमांक- 013/रायगढ़/2020-2022
घटती घटना
अम्बिकापुर , वर्ष 18,अंक -352 रविवार ,30 अक्टूबर 2022, पृष्ठ -8 मूल्य 2 रूपये

ज्ञान की बातें

जो हर किसी से
आत्मीयता का व्यवहार
करता है,वह सब लोगों से
ज्यादा श्रेष्ठ है।
- हजरत मोहम्मद-

कंगना रनौत को 2024 में मंडी से टिकट देगी बीजेपी ?

शिमला, 29 अक्टूबर 2022। चुनावी राज्य हिमाचल प्रदेश में शनिवार को पंचायत आजतक का मंच सजा. शिमला में आयोजित इस कार्यक्रम में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पहुंचे. %फिर एक बार बीजेपी सरकार!% सेशन में उन्होंने राज्य से जुड़े कई मुद्दों पर बात की. जेपी नड्डा ने कंगना रनौत का भी भाजपा में स्वागत किया. साथ ही उन्होंने पूर्व सीएम प्रेम कुमार धूमल के टिकट कटने के मुद्दे पर भी बात की.

कंगना रनौत के राजनीति में आने के संकेत पर जेपी नड्डा ने कहा कि हम तो निश्चित तौर पर चाहते हैं कि वो आएं. वो पीएम मोदी के कामों से प्रभावित हैं. उनका भाजपा में स्वागत, अभिनंदन है. चुनाव लड़ने के सवाल पर उन्होंने कहा यह मेरे अकेले का निर्णय नहीं होता है. कंगना पार्टी में आएं,उस समय पार्टी निर्णय लेगी. किसी को भी हम कंडीशनल नहीं लेते हैं. हम किसी से कोई कमिटमेंट करके शामिल नहीं करते हैं.

कंगना रनौत की इमरजेंसी विरोधी और कांग्रेस विरोधी विचारधारा के सवाल पर पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि यहां सबके लिए जगह है. लेकिन किस जिम्मेवारी पर काम करना है यह पार्टी तय करेगी. बता दें कि कंगना रनौत ने आज दोपहर में ही पंचायत आजतक के मंच पर चुनाव लड़ने के लिए खुद को तैयार बताया. उन्होंने मंडी सीट से 2024 लोकसभा का चुनाव लड़ने की इच्छा जताई.

टिकट कटना, पार्टी का फैसला

इसके अलावा जेपी नड्डा ने पूर्व सीएम प्रेम कुमार धूमल के टिकट कटने पर भी बात की. उन्होंने कहा कि प्रेम कुमार धूमल को टिकट न दिया जाना पार्टी का फैसला है. साथ ही उन्होंने कहा कि लोगों के इमोशन उनके साथ हैं, हम सम्मान करते हैं. जेपी नड्डा ने कहा कि हम सब को साथ लेकर चल रहे हैं. उन्होंने स्पष्ट किया कि धूमल जी ने खुद प्रधानमंत्री को पत्र लिखा था कि मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा।

EVM से चुनाव चिन्ह हटाने वाली याचिका पर 31 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर 2022। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन में पार्टी के चुनाव चिन्ह को हटाने वाली याचिका पर सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित की अध्यक्षता वाली पीठ सोमवार को मामले की सुनवाई करेगी। इस याचिका में चुनाव आयोग को मतपत्र और इवीएम से चुनाव चिन्ह हटाने और इसे उम्मीदवारों के 'नाम, उम्र, शैक्षणिक योग्यता और फोटो से बदलने का निर्देश देने की मांग की गई है। भारत के

अश्विनी उपाध्याय ने दायर की याचिका

अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय द्वारा दायर की गई इस याचिका में इवीएम पर पार्टी के चिन्ह के इस्तेमाल को अवैध-असंवैधानिक और भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 का उल्लंघन घोषित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि राजनीति में भ्रष्टाचार और अपराधीकरण को खत्म करने का सबसे अच्छा उपाय है कि मतपत्र और इवीएम पर राजनीतिक दल के चुनाव चिन्हों को उम्मीदवारों के नाम, आयु, शैक्षिक योग्यता और फोटो के साथ बदल दिया जाए।

भाई-भतीजावाद को खत्म करने में मिलेगी मदद

याचिका में कहा गया है कि भारत के चुनाव आयोग को इवीएम पर उम्मीदवारों के 'नाम, आयु, शैक्षिक योग्यता और फोटो' का उपयोग करने के निर्देश दिए जाएं। इसके अलावा चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को समान अवसर प्रदान किया जाए। इससे भ्रष्टाचार, अपराधीकरण, जातिवाद, सांप्रदायिकता क्षेत्रवाद, भाषावाद और भाई-भतीजावाद को खत्म करने में मदद मिलेगी।

चुनाव में EVM पर रोक की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने चुनावों में इवीएम के इस्तेमाल पर रोक वाली याचिका को खारिज कर दिया था। याचिका में इवीएम मशीनों पर रोक लगा मतपत्र के इस्तेमाल की मांग की गई थी। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और हिमा कोहली की बेंच ने सीआर जया सुकिन द्वारा दायर इस याचिका को खारिज कर दिया गया।

वंदे भारत ट्रेन फिर हुई हादसे का शिकार,गाय से टकराकर अगला हिस्सा हुआ डैमेज

गांधीनगर, 29 अक्टूबर 2022। गुजरात के वलसाड़ में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन एक बार फिर हादसे का शिकार हो गई। वलसाड़ में अतुल रेलवे स्टेशन पर एक गाय वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के आगे आ गई। ट्रैक पर गाय और ट्रेन की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद वंदे भारत ट्रेन का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

आपको बता दें कि, वंदे भारत ट्रेन की गाय से टक्कर होने से इंजन को नुकसान पहुंचा है। वंदे भारत ट्रेन का एक्सीडेंट होते ही रेल विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। ट्रेन का अगला हिस्सा टूट गया गया है. ट्रेन के इंजन के पास के निचले हिस्से को भी नुकसान पहुंचा है। यह घटना सुबह 7-8 बजे के बीच हुई है. रेलवे के अधिकारियों ने बताया था कि ट्रेन को कोई नुकसान नहीं हुआ. हालांकि, फ्रंट कोच यानी ड्राइवर कोच के नोज कॉन कवर को मामूली नुकसान हुआ।

बता दें कि वंदे भारत ट्रेन के साथ यह चौथा हादसा है। अभी हाल ही में ट्रेन के आगे भैंसें आ गई थीं, जिसके बाद ट्रेन का अगला हिस्सा टूट गया था।

स्कूल बंक कर 120 KM दूर घूमने गई 3 नाबालिग सहेलियों ने खाया जहर,2 की मौत

इंदौर , 29 अक्टूबर 2022। स्कूल बंक करके इंदौर में घुमने आई आष्टा शहर की 3 नाबालिग सहेलियों ने जहर खा लिया जिसमें दो लड़कियों की इलाज के दौरान मौत हो गई, वहीं एक की हालत गंभीर है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

इंदौर के एडीसीपी प्रशांत चौबे ने बयाया कि यहां जहर खाने से दो नाबालिग लड़कियों की मौत हो गई, जबकि एक बाल-बाल बच गई। ये लोग सीहोर जिले की रहने वाली हैं। उन्होंने कहा कि इसमें एक लड़की ने पारिवारिक संबंधों में खटास के चलते जहर खा लिया, जबकि दूसरी ने दोस्ती की वजह से जहर खा लिया। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

पुलिस ने बताया कि घटना के बाद तीनों को उपचार के लिए एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां देर शाम दो की मौत हो गई। तीसरी नाबालिग लड़की का इलाज चल रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटना के वक्त तीनों रीजनल पार्क रोड पर घूम रही थीं। पुलिस के अनुसार उन्हें अस्पताल से युवतियों के जहर खाने की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर जहर खाने की वजह की जांच शुरु कर दी है।

पुलिस के मुताबिक प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि इसमें से एक किशोरी ने पारिवारिक विवाद के कारण जहर खाया, जबकि दूसरी ने युवक से दोस्ती के चक्कर में जहर खाया। वहीं तीसरी के जहर खाने की वजह पता नहीं चल सकी है। उन्होंने बताया कि पहले यह जानकारी मिली थी कि तीनों ने रीजनल पार्क में जहर खाया था। लेकिन यहां के कर्मचारियों ने बताया कि पार्क में इस तरह की कोई घटना नहीं हुई।

एडीसीपी ने कहा कि लड़कियों ने आष्टा में जहर खरीदा और इंदौर में खुद को मारने का फैसला किया। फिलहाल परिजन इंदौर पहुंच गए हैं। वे सदमे की स्थिति में हैं। उनके बयान भी दर्ज किए जाएंगे, कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

अब तक मिली जानकारी के मुताबिक तीनों स्कूल से बंक मारकर यहां घूमने पहुंची थी। ये घटना भवर कुआं थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। मामले में अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद आला अधिकारी भी अस्पताल पहुंचे।

छठ का प्रसाद बनाते वक्त फटा गैस सिलेंडर, 7 पुलिस जवान समेत 30 लोग जले

औरंगाबाद, 29 अक्टूबर 2022। बिहार के औरंगाबाद में बड़ा हादसा होने की खबर है। बताया जा रहा है कि छठ पूजा के दौरान एक घर में आग लगने से गैस सिलेंडर फट गया। इस हादसे में 30 से ज्यादा लोगों के घायल होने की खबर है। इनमें कई लोगों की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। आग लगने की सूचना पर पहुंची पुलिस की टीम के 7 जवान भी आग बुझाने के क्रम में झुलस गए। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सभी घायलों को तुरंत सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इनका इलाज चल रहा है। फिलहाल, घायलों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

दरअसल, यह घटना औरंगाबाद के शाहगंज मुहल्ले की है, जहां अनिल गोस्वामी के घर महिलाएं छठ का प्रसाद बना रही थीं। तभी सिलेंडर से गैस रिसाव के कारण घर में आग लग गई। आग लगने की खबर मिलते ही आस-पड़ोस के लोग भी आग बुझाने पहुंच गए। इसी बीच सूचना पाकर नगर थाना की पुलिस की गश्ती टीम भी वहां पहुंच गई और पुलिस कर्मी आग बुझाने का प्रयास करने लगे। मगर इसी दौरान सिलिंडर ब्लास्ट कर गया, जिसकी चपेट में 7 पुलिस वाले समेत कुल लगभग 30 लोग आ गये और झुलस गए।

फिलहाल घायलों का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालांकि, इनमें से 10 को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया है। चिकित्सकों के मुताबिक, इन सबों का प्राथमिक उपचार कर दिया गया है और सभी की स्थिति सामान्य है। वहीं जिला प्रशासन ने ऐसे मौकों पर लोगों से सावधान रहने की अपील की है और कहा है कि सावधानी से आगजनी के खतरों को टाला जा सकता है।

चीनी को सस्ती करने सरकार ने निर्यात पर लगी रोक एक साल के लिए बढ़ाई

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर 2022। केंद्र सरकार ने घरेलू बाजार में चीनी के दामों पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए चीनी के निर्यात पर लगी रोक को सीधे एक साल के लिए और बढ़ा दिया है। इस साल मई में चीनी के निर्यात पर रोक लगाया गया था, जो 31 अक्टूबर, 2022 तक लागू था। शुक्रवार को आए एक सर्कुलर में इस सीमा को 31 अक्टूबर, 2023 तक बढ़ा दिया गया है यानी भारत, जोकि दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक देश बन चुका है, वो अगले एक साल में कुछ अपवादों को छोड़कर चीनी का निर्यात नहीं करेगा। सर्कुलर के मुताबिक, यह आदेश 31 अक्टूबर, 2023 या अगले आदेश तक, जो भी पहले आए, तक लागू रहेगा।

निर्यात का यह प्रतिबंध कच्ची चीनी, रिफाइंड चीनी और सफेद चीनी पर लगाया गया है। 24 मई, 2022 को सबसे पहले यह प्रतिबंध लागू किया गया था। मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की ओर से जारी किए गए इस सर्कुलर में बताया गया है कि यह प्रतिबंध सीएक्सएल और टीआरक्यू कोटा के तहत ईयू और यूएस में भेजी जा रही चीनी पर लागू नहीं होगा। इसी महीने सरकार ने कहा था कि भारतीय निर्यातक 31 दिसंबर तक टीआरक्यू के तहत अमेरिका को चीनी निर्यात कर सकेंगे। निर्यातक अब इस साल दिसंबर अंत तक अमेरिका को तय मात्रा में कच्ची चीनी का निर्यात कर सकेंगे।

लौटने लगे परदेशी,छठ पर्व की तैयारियां शुरू

गोरखपुर 29 अक्टूबर 2022। उत्तर प्रदेश और बिहार के पूर्वांचल इलाके में प्रमुखता से मनाया जाने वाले पर्व छठ की तैयारियां शुरू हो गयी है । सूर्य की उपासना के पर्व के रूप में मनाया जाने वाला छठ पर्व कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को यानी 28 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर समाप्त होगा । चार दिवसीय इस पर्व की तैयारिया जोर शोर से चल रही है । घरों में साफ - सफाई के साथ खरीदारी शुरू हो गयी है । जिसके चलते बाजारों में चहल - पहल बढ़ गई है । नदियों व तालाबों के किनारे पूजन स्थलों को साफ किया जा रहा है ।

आम आदमी पार्टी 4 को घोषित करेगी गुजरात सीएम का चेहरा

सूरत, 29 अक्टूबर 2022। दिल्ली और पंजाब में सभी राजनीतिक पार्टियों को शिकस्त देकर शानदार जीत हासिल करने के बाद सीएम की कुर्सी पर कब्जा कर चुके आम आदमी पार्टी अब गुजरात फतह के लिए किलेबंदी शुरू कर दी है। आम आदमी पार्टी के संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविन्द केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी गुजरात विधानसभा का चुनाव हर हाल में जीतना चाहती है। सीएम केजरीवाल तीन दिवसीय दौरे पर गुजरात पहुंचे हैं और लोगों से जनसम्पर्क कर रहे हैं ।

इस दौरान उन्होंने गुजरात के सूरत में कहा है कि 'हम चाहते हैं कि गुजरात के लोग हमें बताएं कि अगला मुख्यमंत्री कौन होना चाहिए। इसके लिए हम एक नंबर और एक ईमेल आईडी जारी कर रहे हैं आप 3 नवंबर को शाम 5 बजे तक इस पर अपनी राय भेज सकते हैं । हम 4 नवंबर को परिणाम घोषित करेंगे । केजरीवाल ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि गुजरात के लोग 3 नवंबर को शाम 5 बजे तक एक नंबर-6357000360 पर SMS, whatsapp और वॉयस मैसेज भेजकर अपनी राय दर्ज करा सकते हैं । इसके अलावा गुजरात के लोग aapnocm@gmail.com पर भी अपनी राय भेज सकते हैं ।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि 'गुजरात में इसके पहले विजय रूपानी सीएम थे. उनको बदलकर भूपेंद्र पटेल को ले आए ऐसा क्यों किया गया, उनको किसलिए हटाया गया, उसके पहले जब विजय रूपानी को लाया गया था तब भी जनता की कोई राय नहीं ली गई । इसी तरह भूपेंद्र पटेल को जब लाया गया तो किसी से राय नहीं ली गई कि विजय रूपानी को हटाया जाए या नहीं?' केजरीवाल ने कहा कि 'पंजाब में विधानसभा के चुनाव से पहले हमने ऐसा एक सर्वे करवाया था. जिसमें भगवंत मान का नाम बड़े बहुमत से सामने आया था. इसके बाद उनका नाम पंजाब के सीएम के लिए घोषित किया गया था ।

राज्य में पिछले 27 साल से सत्तारूढ़ बीजेपी पर हमला करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अपने इतने लंबे शासन काल में बीजेपी ने कोई विकास नहीं किया है । अगले 5 साल के लिए भी इनके पास कोई विकास का प्लान नहीं है. गुजरात की जनता महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त है । केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में लोगों का बिजली बिल माफ कर दिया गया, सरकारी स्कूलों में पढ़ाई की व्यवस्था अच्छी हो गई, जनता का मुफ्त इलाज होने लगा. इससे लोगों के पास पैसा बचा । सरकार ने गरीबों के कल्याण की कई योजनाएं चलाई हैं ।

इंडिगो विमान उड़ान भरने के दौरान फाइट में लगी भीषण आग,करनी पड़ी एमरजेंसी लेंडिंग

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर 2022। इंडिगो विमान में बीती रात बड़ा हादसा टला। उड़ान भरने के दौरान ?यात्रियों को इंजन में आग लगती दिखी ?तो सभी यात्री घबरा गए। खिड़की से भी आग और चिंगारी दिखाई दे रही थी। तब पायलट की तत्परता से हादसा टल गया। यह फ्लाइट फिर करीब पौने तीन घंटे बाद रवाना हुई।

दिल्ली से बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो फ्लाइट में हादसा हुआ है। इंडिगो फ्लाइट (6श्व-2131) के इंजन में आग लगने से विमान में बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया। जब खिड़की से इंजन में लगी आग को यात्रियों ने देखा तो सभी में घबराहट फैल गई। विमान में उड़ान भरने के दौरान की इंजन में आग लगी थी। हालांकि आग लगने के बाद विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर ही रोक लिया गया। इस तरह एक बड़ा हादसा टल गया।

सामाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, घटना के संबंध में इंडिगो एयरलाइन की ओर से बयान आया। जिसमें बताया गया कि दिल्ली से बेंगलुरू जा रही फ्लाइट को उड़ान भरने के दौरान तकनीकी परेशानियों का सामना करना पड़ा। इसके बाद फौरन पायलट ने टेक ऑफ को स्थगित कर दिया। एयरलाइन की ओर से बताया गया कि सभी यात्री और क्रू मेंबर्स सुरक्षित हैं। एयरलाइन ने बताया कि फ्लाइट ऑपरेशन के लिए एक वैकल्पिक विमान की व्यवस्था की जा रही है। यात्रियों को हुई असुविधा के लिए हमें खेद है।

अकासा एयर के विमान से टकराया था पक्षी

इससे एक दिन पूर्व ही एक और विमान हादसा टल गया था, तब अहमदाबाद से दिल्ली जा रहे अकासा एयरलाइंस की एक फ्लाइट से पक्षी टकरा गया। हालांकि इस दौरान फ्लाइट को सेफ ?तरीके से दिल्ली में उतार लिया गया। एयरलाइन ने बयान में कहा था कि बोइंग 737 मैक्स विमान सुरक्षित उतर गया और विमान के आगमन पर सभी यात्रियों को सुरिक्षत उतार लिया गया।

स्पाइसजेट के आधे विमानों पर लगी थी रोक

हाल के समय में फ्लाइट्स में उड़ान के दौरान तकनीकी समस्याओं की घटनाएं काफी बढ़ गई हैं। कभी पक्षी टकराने की घटनाएं होती हैं, तो कभी विमान में चिंगारी निकलने या इंजन से आग निकलने की शिकायतें होती हैं। ऐसे में जुलाई में डीजीसीए (DGCA) ने स्पाइसजेट के आधे विमानों पर रोक लगा दी थी। स्पाइसजेट के विमानों में तकनीकी परेशानियों की कई घटनाएं सामने आने के बाद यह कार्रवाई की गई थी। उस समय स्पाइसजेट की फ्लाइट्स में 18 दिन की अवधि के दौरान गड़बड़ी के करीब 8 मामले सामने आए थे। इस कारण कारण नोटिस भी जारी किया था।

अटूट आस्था का केंद्र है देव का त्रेतायुगीन सूर्य मंदिर

औरंगाबाद, 29 अक्टूबर 2022। बिहार में औरंगाबाद जिले के देव स्थित ऐतिहासिक त्रेतायुगीन सूर्य मंदिर देशी-विदेशी पर्यटकों, श्रद्धालुओं और छठव्रतियों की अटूट आस्था का केंद्र बना हुआ है।

भगवान भास्कर का त्रेतायुगीन सूर्य मंदिर सदियों से लोगों को मनोवांछित फल देने वाला पवित्र धर्मस्थल रहा है। यूं तो सालों भर देश के विभिन्न जगहों से लोग यहां पधारकर मनौतियां मांगने और सूर्यदेव द्वारा उनकी पूर्ति होने पर अर्घ्य देने आते हैं लेकिन लोगों का विश्वास है कि कार्तिक एवं चैती छठ व्रत के पुनीत अवसर पर सूर्य देव की साक्षात उपस्थिति की रोमांचक अनुभूति होती है।

देव स्थित भगवान भास्कर का विशाल सूर्य मंदिर अपने अप्रतिम सौंदर्य और शिल्प के कारण सदियों श्रद्धालुओं, वैज्ञानिकों, मूर्तिचोरों व तस्करों एवं आमजनों के लिए आकर्षण का केंद्र है। मंदिर की अभूतपूर्व स्थापत्य कला, शिल्प, कलात्मक भव्यता और धार्मिक महत्ता के कारण ही जनमानस में यह किंवदंति प्रसिद्ध है कि इसका निर्माण देवशिल्पी भगवान विश्वकर्मा ने स्वयं अपने हाथों से किया है। काले और भूरे पत्थरों की अति सुंदर कृति जिसतरह उड़ीसा प्रदेश के पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर का शिल्प है, ठीक उसी से मिलता-जुलता शिल्प देव के प्राचीन सूर्य मंदिर का भी है।

मंदिर के निर्माणकाल के संबंध में उसके बाहर ब्राह्मी लिपि में उत्कीर्ण एवं संस्कृत में अनुवादित एक श्लोक जड़ा है, जिसके अनुसार 12 लाख16 हजार वर्ष त्रेता युग के बीत जाने के बाद इलापुत्र पुरूरवा ऐल ने देव सूर्य मंदिर का निर्माण आरंभ करवाया। शिलालेख से पता चलता है कि वर्ष2014 में इस पौराणिक मंदिर के निर्माण काल का एक लाख पचास हजार चौदह वर्ष पूर्ण हो चुके हैं।देव मंदिर में सात रथों से सूर्य की उत्कीर्ण प्रस्तर मूर्तियां अपने तीनों रूपों- उदयाचल-प्रातः सूर्य, मयाचल-मय सूर्य और अस्ताचल -अस्त सूर्य के रूप में विद्यमान है। पूरे देश में देव का मंदिर ही एकमात्र ऐसा सूर्य मंदिर है जो पूर्वाभिमुख न होकर पश्चिमाभिमुख है। करीब एक सौ फुट ऊंचा यह सूर्य मंदिर स्थापत्य और वास्तुकला का अदभूत उदाहरण है।

संपादकीय

कोर्ट का वाजिब दखल

हेट स्पीच रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने उचित हस्तक्षेप किया है। इस दौरान उसने प्रशंसनीय टिप्पणियां की हैं। लेकिन हालात ऐसे हैं कि इस दखल से वास्तविक फर्क पड़ने की कोई ठोस संभावना नहीं उभरी है।

हेट स्पीच के मामले में सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने जो टिप्पणियां कीं, उनसे हर विवेकशील व्यक्ति सहमत होगा। सुप्रीम कोर्ट के इस अफसोस में तमाम विवेकशील लोगों की भावनाओं का इजहार हुआ कि 21वीं सदी में हमारा समाज कैसी जुबान बोलने के स्तर तक गिर गया है। न्यायमूर्तियों ने संविधान के अनुच्छेद 51 का जिक्र किया, जिसमें भारत को वैज्ञानिक सोच का देश बनाने का लक्ष्य रखा गया था। आज जबकि इस सोच पर चौतरफा आक्रमण हो रहा है, तो सुप्रीम कोर्ट का उससे चिंतित होना लाजिमी है। तो कोर्ट अब पुलिस को आदेश दिया है कि हेट स्पीच की घटना होते ही वह अपनी पहल पर मामले दर्ज करे- यानी वह इस बात के इंतजार में ना बैठी रहे कि कोई केस दर्ज कराएगा, तब वह जांच-पड़ताल शुरू करेगी। सुप्रीम कोर्ट की सदिच्छा के लिहाज से यह आदेश उसका एक उचित हस्तक्षेप मामूल पड़ता है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या कोर्ट की ये सदिच्छा पूरी होगी? मन में यह सवाल उठने के पीछे वजह यह है कि पुलिस कोई स्वतंत्र और संवैधानिक भावना से काम करने वाली एजेंसी नहीं है। बल्कि वह राज्य सरकार के मातहत है और अक्सर सरकार की राजनीतिक सोच या हित के अनुरूप काम करती नजर आती है।

अगर सत्ताधारी नेता ही हेट स्पीच को अपनी सियासी पूंजी मानते हों, तो फिर पुलिस उनकी इच्छा के खिलाफ जाकर कार्रवाई करेगी, यह उम्मीद रखना शायद भोलापन ही हो सकता है। फिर पुलिसकर्मी सामाजिक पूर्वाग्रहों से प्रेरित नहीं रहते, यह मानने की भी कोई वजह नहीं है। आज जिन पूर्वाग्रहों को एक राजनीतिक परियोजना के रूप में फैलाया गया है, उससे पुलिसकर्मी प्रभावित हुए नजर आते हैं। ऐसे में यह बड़ा सवाल उठता है कि वे हेट स्पीच को वे कानून और संविधान की भावना के मुताबिक समझेंगे या परिभाषित करेंगे, अथवा जिस एकतरफा सोच का आज वर्चस्व है उससे प्रभावित होकर काम करेंगे? जब तक इन प्रश्नों पर स्पष्टता नहीं बनती, वास्तविक आस जगना संभव नहीं है। इसीलिए कोर्ट की टिप्पणियां सुनने में अच्छी लगीं, आदेश भी उचित लगा, लेकिन उससे वास्तविक फर्क पड़ने की कोई ठोस संभावना नहीं उभरी है।

क्या गर्भपात नैतिक रूप से उचित है?

-डॉ सत्यवान सौरभ
बड़वा भिवानी, हरियाणा

लैंगिक समानता के लिए गर्भपात का अधिकार महत्वपूर्ण है। अलग-अलग महिलाओं के लिए अपनी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए गर्भपात का अधिकार महत्वपूर्ण है। गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने से महिलाओं को उन अवैध तरीकों का उपयोग करने के लिए मजबूर किया जाता है जो अधिक हानिकारक हो सकते हैं। लेकिन दूसरी ओर जीवन के अधिकार को हमेशा किसी व्यक्ति के समानता के अधिकार या खुद को नियंत्रित करने के अधिकार से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए। इसका दुरुपयोग किया जा सकता है।

गर्भावस्था की समाप्ति या भ्रूण हत्या नैतिक और नैतिक रूप से चुनौतीपूर्ण है और शायद प्रतिबंधात्मक गर्भपात कानूनों वाले देशों में इसे अवैध माना जाता है। नैतिक दुविधाएं जैसे कि महिलाओं की स्वायत्तता के अधिकार, भ्रूण के व्यक्तित्व के अधिकार और समाज के लिए डॉक्टर के नैतिक दायित्वों के साथ संघर्ष कर सकते हैं। उदार न्याय क्षेत्र में, पूर्ववर्ती भ्रूणों के पास व्यक्तित्व के कानूनी अधिकार नहीं हो सकते हैं; इसलिए, भ्रूण हत्या के संबंध में गर्भवती महिलाओं के निर्णयों का सम्मान करने के लिए उचित कार्रवाई होगी।

यदि गर्भावस्था मां के जीवन को खतरे में डालती है, तो हमें मां के जीवन के मूल्य की तुलना में भ्रूण के मूल्य पर विचार करना चाहिए। एक अवांछित बच्चे का जीवन अच्छा नहीं होता है। यदि एक माँ के पास कोई बच्चा है जो वह नहीं चाहती है, तो उसे और बच्चे दोनों को बहुत नुकसान हो सकता है; माँ को गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर करने से बच्चे को अपने लिए एक खुशहाल जीवन की संभावना कम हो सकती है और माँ को बहुत पीड़ा हो सकती है्माँ को अपने जीवन को नियंत्रित करने का अधिकार होना चाहिए, कम से कम इस हद तक कि ऐसा करने में वह खुद को कम से कम नुकसान पहुंचाती है।

लैंगिक समानता के लिए गर्भपात का अधिकार महत्वपूर्ण है। अलग-अलग महिलाओं के लिए अपनी पूरी क्षमता हासिल करने के लिए गर्भपात का अधिकार महत्वपूर्ण है। गर्भपात पर प्रतिबंध लगाने से महिलाओं को उन अवैध तरीकों का उपयोग करने के लिए मजबूर किया जाता है जो अधिक हानिकारक हो सकते हैं। लेकिन दूसरी ओर जीवन के अधिकार को हमेशा किसी व्यक्ति के समानता के अधिकार या खुद को नियंत्रित करने के अधिकार से अधिक महत्वपूर्ण होना चाहिए। इसका दुरुपयोग किया जा सकता है।

भ्रूण को जीने का अधिकार है क्योंकि वह एक %संभावित इंसान% है। %संभावित मानव% तर्क अजन्मे को विकास के शुरुआती चरण से जीवन का अधिकार देता है - वह क्षण जब अंडा निषेचित होता है। यह तर्क किसी भी चिंता को अप्रासंगिक बना देता है कि भ्रूण अपने विकास के किसी विशेष चरण में किस प्रकार का है। भ्रूण को व्यक्ति का पूर्ण अधिकार देने के लिए सबसे मजबूत तर्कों में से एक क्योंकि यह एक संभावित व्यक्ति है जो नवजात शिशु की स्थिति से बहता है।

जन्म के समय एक नवजात शिशु में %नैतिक व्यक्तित्व% के लिए आवश्यक इतनी कम विशेषताएं होती हैं कि उसके जीवन का अधिकार उसके %नैतिक व्यक्ति% होने पर आधारित नहीं हो सकता। बहरहाल, हर कोई यह स्वीकार करता है कि उसे जीने का अधिकार है - यहां तक कि वे जो %नैतिक व्यक्ति की विचारधारा का पालन करते हैं।

जीवन का अधिकार अन्य सभी मानवाधिकारों का आधार है - यदि हम उन अधिकारों की रक्षा करते हैं, तो हमें जीवन के अधिकार की भी रक्षा करनी चाहिए। गर्भपात एक नागरिक अधिकार मुद्दा है जिसमें गर्भपात का समर्थन करने वालों में से कुछ कुछ जनसंख्या समूहों के विकास को नियंत्रित करने के तरीके के रूप में करते हैं। कभी-कभी भागीदारों या परिवारों का शोषण करके महिलाओं का जबरन गर्भपात कराया जाता है। कभी-कभी महिलाओं पर गर्भपात इसलिए कराया जाता है क्योंकि समाज उनकी जरूरतों को पूरा करने में विफल रहता है। माता-पिता का अपने अजन्मे बच्चों के प्रति दायित्व है - इससे बचना उनके लिए गलत है। गर्भपात उन लोगों के साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार करता है जो इसे करते हैं, या जो इस प्रक्रिया में शामिल हैं।

गर्भपात पर सभी धर्मों ने कड़ा रुख अपनाया है; उनका मानना है कि इस मुद्दे में जीवन और मृत्यु, सही और गलत, मानवीय रिश्ते और समाज की प्रकृति के गहन मुद्दे शामिल हैं, जो इसे एक प्रमुख धार्मिक चिंता बनाते हैं। गर्भपात में शामिल लोग आमतौर पर न केवल भावनात्मक रूप से, बल्कि अक्सर आध्यात्मिक रूप से भी बहुत गहराई से प्रभावित होते हैं। वे अक्सर सलाह और आराम के लिए, अपनी भावनाओं की व्याख्या के लिए, और प्रायश्चित की तलाश करने और अपराध की अपनी भावनाओं से निपटने के तरीके के लिए अपने विश्वास की ओर मुड़ते हैं।

स्टेनली हॉवर के अनुसार किसी भी मात्रा में नैतिक प्रतिबिंब कभी भी मूल तथ्य को नहीं बदलेगा कि त्रासदी हमारे जीवन की वास्तविकता है। एक बिंदु पर पहुंच गया है जहां हमारे पास नैतिक प्रतिबिंब को रोकने के लिए ज्ञान होना चाहिए और पुष्टि करनी चाहिए कि कुछ मुद्दे नैतिकता की तुलना में अधिक गहन वास्तविकता को इंगित करते हैं। ये ऐसे समर्थक हैं जो बच्चे को जन्म देने वाले की पसंद का समर्थन करते हैं और इसलिए स्वेच्छा से गर्भपात के कारण का समर्थन करते हैं।

कुछ परिस्थितियों में ये भ्रूण के जीने के अधिकार को खत्म कर सकते हैं; इन नैतिक अधिकारों में शामिल हैं- अपने शरीर के स्वामित्व का अधिकार, अपना भविष्य खुद तय करने का अधिकार, दूसरों द्वारा नैतिक या कानूनी हस्तक्षेप के बिना निर्णय लेने का अधिकार, गर्भवती महिला को जीवन का अधिकार है - जहां भ्रूण का गर्भपात नहीं करने से मां का जीवन या स्वास्थ्य खतरे में पड़ता है, उसे गर्भपात करने का नैतिक अधिकार है ये ऐसे प्रस्तावक हैं जो जीवन को ध्यान में रखते हुए समर्थन करते हैं यानी भ्रूण जिसे महिलाओं के गर्भ से ही जीवन माना जाता है।

गर्भपात की अनुमति देना हत्या को वैध बनाना है। हत्या को वैध बनाने से लोगों के जीवन के प्रति सम्मान कम हो जाता है। जीवन के लिए समाज के सम्मान को कम करना एक बुरी बात है - इससे इच्छामृत्यु, नरसंहार और हत्या की दर में वृद्धि हो सकती है। इसलिए गर्भपात हमेशा गलत होता है। दार्शनिक टेड लॉकहार्ट नैतिक समस्याओं से निपटने के लिए एक व्यावहारिक समाधान लेकर आए हैं। जिसका उपयोग यह तय करने के लिए किया जा सकता है कि भ्रूण का गर्भपात किया जाए या नहीं। लॉकहार्ट का सुझाव है कि हमें ÷ऐसे कार्य करने चाहिए जो हमें अधिकतम विश्वास हो कि नैतिक रूप से स्वीकार्य हैं। जहां हमें नैतिक चुनाव करना है, वहाँ हमें वह कदम उठाना चाहिए जो हमें सबसे अधिक विश्वास हो कि नैतिक रूप से सही है।

मुफ्त की रेवड़ी बनाम जनहित

मुफ़्त का चंदन घिस रघुनंदन की तर्ज पर जनाधार विहीन राजनेताओं द्वारा मुफ्त की सौगात बांटने की राजनीति पर अब नकेल कसने की तैयारी है। इस मामले में पिछले दिनों शीर्ष अदालत की सख्त टिप्पणी और चुनाव आयोग की जवाबदेही तय करने की कोशिशों के बाद आयोग ने मुफ्त के प्रलोभनों को मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट के दायरे में लाने की कवायद शुरू की है। दरअसल, यह मामला अभी शीर्ष अदालत में लंबित है। अगस्त माह में तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एनवी रमन ने इस मामले को नई पीठ को भेज दिया था। इससे पहले प्रधानमंत्री ने भी मुफ्त की राजनीति को देश के विकास में बाधक बताया था। दरअसल, कोर्ट द्वारा इस अपसंस्कृति को गम्भीरता से लेने के बाद सार्वजनिक विमर्श में शामिल मुद्दा जोर पकड़ रहा है। देश की आर्थिक नियमन से जुड़ी संस्थाएं भी चेताती रही हैं कि मुफ्त की राजनीति से राज्यों की अर्थव्यवस्था पर घातक प्रतिकूल असर पड़ता रहा है। क्या मजाक है कि पहले मुफ़्त की राजनीति को परवान चढ़ाया जाता है और फिर केन्द्र सरकार की संस्थाओं व बैंक से ॠण लेकर राज्य पर कर्ज का बोझ बढ़ाया जाता है। विडम्बना यही है कि देश में रेवड़ी संस्कृति पर लगाम लगाने के लिये कोई कारगर कानून नहीं है। इस बाबत शीर्ष अदालत में चुनाव आयोग ने लाचारगी जतायी थी। तभी कोर्ट ने लॉलीपोप संस्कृति पर लगाम लगाने के लिये मॉडल कोड ऑफ कंडक्ट को प्रभावी बनाने को कहा। कोर्ट ने आयोग को याद दिलाया कि संविधान के अनुच्छेद 324 के अन्तर्गत उसे चुनाव संचालन के लिये कारगर नियम बनाने का अधिकार है। अब इसी कड़ी में चुनाव आयोग ने आचार संहिता में संशोधन की बात कही है। आयोग ने राजनीतिक दलों से कहा है कि वे अपने चुनावी घोषणा पत्र में उल्लेख करें कि जो वायदे वे कर रहे हैं, उन पर कितना खर्च आयेगा? उसके लिये वित्तीय संसाधन कहां से जुटाएंगे? आयोग ने इस बाबत 19 अक्टूबर तक जवाब मांगा है। साथ ही पूछा है राजनीतिक दल स्पष्ट करें कि उनकी मुफ़्त की घोषणाओं से किस वर्ग को लाभ होगा? दरअसल, आधारहीन राजनेता मुफ़्त की राजनीति के जरिये सफलता का शार्टकट तलाश रहे हैं। उन्हें लगता है। प्रलोभन की राजनीति से जनता उनके सुनहरे सपनों में खोकर उन्हें कुर्सी पर बैठा देगी। दरअसल, दक्षिण भारत से शुरू हुआ मुफ़्त देने का रोग पूरे देश पर लग गया है। विडम्बना यही है कि राजनीतिक दल आम जनता को स्थायी रोजगार देने वाली रचनात्मक विकास की योजनाएं बनाने और ढांचागत सुविधाओं को विस्तार देने के बजाय सब्जबाग दिखाने लगते हैं। सवाल है कि राजनेता पार्टी फंड व व्यक्तिगत संसाधनों से क्यों नहीं अपने मुफ़्त के वायदों को पूरा करते? सरकारी धन से होने वाले खर्च का अन्तिम बोझ भी देश के करदाताओं पर ही पड़ता है। देश में कई बीमारू राज्य इस हालात की बानगी दर्शाते हैं

-अजय दीक्षित-

खुद को खुद पढ़ जाती

वीना आडवाणी तन्वी
नागपुर,महाराष्ट्र

अपनी ही जिंदगी के किस्से मैं सुनाऊं किसको
कोई अपना नहीं मेरा , अपना कह सकूं जिसको।।
मेरा अपना , अपना होकर भी अपना ना हो सका
अपने टूटे सपनों के टुकड़े मैं अब दिखाऊं किसको।।
मेरी बिखरी अरमानों कि सेज देख दर्द होता है
फर्क नहीं पड़ता उसे सेज सजी मैं दिखाऊं जिसको।।
मेरी ख्वाहिशों को दिल में दबा कर मारा मैंने
मेरा अपना ही क़ातिल मेरी ख्वाहिशों का बताऊं किसको।।
आंखें आज भी उसकी ही यादों मैं मेरी आंसू बहाई
कोई तो हो जिसे दर्द ए स्याही के शब्द पढ़ाऊं जिसको।।
खुद को ही शब्दों में सजा खुद का दर्द पढ़ जाती हूं
जख़्मी दिल पर लिख मरहम् लगाती
मैं ये दिखाऊं किसको।।
ये तंहाई जिंदगी की अंधेरों में मुझे ले जाती है
कोई तो हमदर्द हो मेरा भी , अपना कह सकूं जिसको।।2।।

नरेंद्र मोदी और अंग्रेजी हटाओ

गुजरात के स्कूलों में 5 जी की तकनीक के बारे में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमाल कर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री की हैसियत से 'अंग्रेजी की गुलामी' के खिलाफ जो बात कह दी है, वह बात आज तक भारत के किसी प्रधानमंत्री की हिम्मत नहीं हुई कि वह कह सके। मोदी ने 'अंग्रेजी की गुलामी' शब्द का प्रयोग किया है, जिसके बारे में पिछले 60-70 साल से मैं बराबर बोलता और लिखता रहा हूँ और अपने इस विचार को फैलाने की खातिर मैं जेल भी काटता रहा हूँ और अंग्रेजीभक्तों का कोप-भाजन भी बनता रहा हूँ। देश की लगभग सभी पार्टियों के सर्वोच्च नेताओं और प्रधानमंत्रियों से मैं अनुरोध करता रहा हूं कि हिंदी थोपने की बजाय आप सिर्फ अंग्रेजी हटाने का काम करें। अंग्रेजी हटेगी तो अपने आप हिंदी आएगी। उसके अलावा कौनसी भाषा ऐसी है, जो भारत की दो दर्जन भाषाओं के बीच सेतु का काम कर सकेगी? लेकिन हमारे नौकरशाहों और बुद्धिजीवियों के दिमाग पर अंग्रेजी की गुलामी इस तरह छाई हुई है कि उनकी देखादेखी किसी प्रधानमंत्री या शिक्षामंत्री की आज तक हिम्मत नहीं पड़ी कि वह 'अंग्रेजी हटाओ' की बात करे। अंग्रेजी हटाओ का अर्थ अंग्रेजी मिटाओ बिल्कुल नहीं है। इसके सिर्फ दो अर्थ हैं। एक तो अंग्रेजी की अनिवार्यता हर जगह से हटाओ और दूसरा विदेश नीति, विदेश व्यापार और अनुसंधान के लिए हम सिर्फ अंग्रेजी पर निर्भर न रहें। अंग्रेजी के साथ-साथ अन्य विदेशी भाषाओं का भी इस्तेमाल करें। यदि ऐसा हो तो भारत को महाशक्ति और महासंपन्न बनने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। प्रधानमंत्री के अंग्रेजी-विरोध का आशय केवल इतना ही है लेकिन तमिलनाडु विधानसभा ने सरकार की भाषा नीति के विरुद्ध प्रस्ताव पारित करके वास्तव में तमिलनाडु का बड़ा अहित किया है।

गृहमंत्री अमित शाह ने अपने भाषणों में हिंदी थोपने की बात कभी नहीं की है लेकिन देश के हिंदी-विरोधी नेता मनगढंत तथ्यों के आधार पर उनकी बातों का विरोध कर रहे हैं। मुझे तो आश्चर्य है कि इस मुद्दे पर कांग्रेस-जैसी पार्टी चुप क्यों है? कम से कम वह गांधी नाम की इज्जत बचाए। महात्मा गांधी ने तो यहां तक कहा था कि स्वतंत्र भारत की संसद में जो अंग्रेजी में बोलेगा, उसे हम छह माह की जेल करा देंगे। समाजवाद के पुरोधा डॉ. राममनोहर लोहिया ने तो देश में बाकायदा अंग्रेजी हटाओ आंदोलन चला दिया था लेकिन उ.प्र. की समाजवादी पार्टी भी इस मुद्दे पर मौन धारण किए हुए है।

सर्वत्र अंग्रेजी के एकाधिकार के कारण भारत के गरीब, विपन्न, ग्रामीण और मेहनतकश लोगों की हालत कार्ल मार्क्स के शब्दों में सर्वहारा की बनी हुई है लेकिन इन सर्वहारा की लूट पर मार्क्सवादियों की बोलती बंद क्यों है? मोदी ने जो कहा है, यदि वे वह करके दिखा दें तो दक्षिणपंथी कहे जानेवाले भाजपाई और संघी लोग वामपंथियों से भी अधिक प्रगतिशील साबित होंगे। यदि देश की सर्वोच्च शिक्षा और सर्वोच्च नौकरियां भी भारतीय भाषाओं के जरिए मिलने लगें तो देश के करोड़ों लोगों को सच्ची आजादी मिलेगी। जाति के नाम पर आरक्षण की चूसनियाँ लटकाकर उन्हें पटाने की जरुरत ही नहीं पड़ेगी।

-वेद प्रताप वैदिक-

रूहानी

पुष्पा स्वाती
मुम्बई

इश्क खुद से रूहानी हो जाए
खुद पे भी मेहरबानी हो जाए
जाम अश्कों के बहे भर भर के
आंखें अब शादमानी हो जाएं
जुस्तजू करले खुद से मिलने की
कोई ऐसी कहानी हो जाए
खुशबू घुल जाए ऐसे कल्बो ज़िगर
दिल की यूं बागबानी हो जाए
करले खुद की भी जरा आराईश
आईना भी नूरानी हो जाए
मोड़ दे ख़्वाहिशों का रूख़ ऐसे
अपनी भी निगहबानी हो जाए
करगुजर कुछ तो अब ऐसा÷स्वाती÷
याद सबको जुबानी हो जाए

सुखनवर बसा है

प्रियंका अग्निहोत्री गीत
वाराणसी उत्तरप्रदेश

दिमाग़-ओ-दिल में वो मंज़र बसा है
ज़हन में बस दीवार-ओ-दर बसा है
संग-ओ-ख़िश्त से बनी दुनिया में भी
उस की आँखों में समंदर बसा है
लकीरों की कहानी बरहमन जाने
हमारी तदबीर में मुक़द्दर बसा है
है पता गुज़रा वक़्त अब नहीं आना
बचपना देखो दिल भीतर बसा है
सुख़न आये ज़ुरूरी तो नहीं है गीत
कलम में गो कोई सुख़नवर बसा है

न करो रब से गिला

ओमप्रकाश बिन्जवे ÷ राजसागर
भोपाल,मध्यप्रदेश

न करों रब से गिला,तोहफे कमतर मिले।
जो भी पाया, वो हसीन लम्हें बेहतर मिले।
आओ मिल के इन परींदों के ख्वाब सजा दे,
कोई न फिरे खानाबदोश, हरेक को घर मिले।
क्या पता,कल इन्हीं रास्तों से गुजरना पडे,
चुन लो इन राहों से, जो भी काँटे, पत्थर मिले।
क्यों करें शिकायत, कौन यहां मुकम्मल है,
कहीं टूटे पैमाने, कहीं प्यासे समंदर मिले।
न बैठों यूं उदास, कासिद का इंतजार करों,
फिर आये बहार,कोई अच्छी खबर मिले।
ये सर्द हवाएं हैं, सीने में सुलग रही आग,
उठेगा तूफान, जब नजर से नजर मिले।

पर्यावरण असंतुलन

शाम लाल कौशल
रोहतक हरियाणा

पर्यावरण का मतलब है यह धरती, वन, वायु, खनिज पदार्थ, पर्वत, झरने, झीलें, जीव जंतु, वन्य प्राणी आदि जो कि परमात्मा ने हमें दिए है!

पर्यावरण का मतलब प्रकृति द्वारा हमें दिए गए सभी मुफ्त पदार्थ हैं जो कि हमारे जीवन यापन करने में हमारी सहायता करते हैं! परंतु जैसे-जैसे विश्व की जनसंख्या बढ़ती गई और मनुष्य की जरूरतें बढ़ती गई उसने प्रकृति के साथ छेड़छाड़ करनी शुरू कर दी अर्थात परमात्मा द्वारा दिए गए मुफ्त पदार्थों को अपने ढंग से प्रयोग करना शुरू कर दिया! आज स्थिति यह है कि कृषि, उद्योग, व्यापार, आवास, यातायात आदि को लेकर प्राकृतिक साधनों का खूब दोहन किया जा रहा है जिससे पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, रसायनिक पदार्थों का इस्तेमाल, ऊर्जा का अंधाधुंध प्रयोग, बहुमंजिला इमारतों का बनना पर्यावरण संतुलन को इतना बिगाड़ रहे हैं कि मनुष्य सोचता है कि मैंने प्रकृति पर जीत हासिल कर ली है लेकिन असल में उसने महाविनाश को निमंत्रण दिया है! विडंबना है कि मनुष्य अपनी गलती को मानता ही नहीं! आज के समय में प्रदूषण, असामयिक भारी वर्षा, सुनामी, भूचाल, सुखा, नई-नई किस्म की बीमारियां आदि एक आम बात हो गई है! पहले फल सब्जियां मौसम के मुताबिक होती थी आजकल कृत्रिम तरीके इस्तेमाल करके इन्हें कभी भी और कहीं भी पैदा किया जा सकता है! उत्पादन को बहुत ज्यादा बढ़ाने के लिए रसायनिक पदार्थों तथा वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल किया जा सकता है! गर्मी में सर्दी और सर्दी में गर्मी का मजा लिया जा सकता है! इससे लगता है कि मनुष्य ने वैज्ञानिक प्रगति के द्वारा कुदरत पर जीत हासिल कर ली है! चीन की तरह रसायनिक क्रियाओं के द्वारा दुनिया के 56 और देश... क्लाउड सीडिंग.. का इस्तेमाल करके बनावटी तरीके से बरसात करके सूखे का मुकाबला करने की कोशिश कर रहे हैं! हमारे यहां कृत्रिम बारिश, बर्फबारी नियंत्रण तापमान नियंत्रण, वनों का अंधाधुन कटाव, नदियों में से रेता मिट्टी निकाल कर माइनिंग करना, नदियों में उद्योगों द्वारा प्रयोग किए गए अवशेषों को छोड़ देना, पेट्रोल, तेल, गैस, कोयला, बिजली आदि का अंधाधुंध प्रयोग करके पर्यावरण को बिगाड़ने का जो काम किया जा रहा है यह उसी का ही परिणाम है कि बेमौसमी बरसात, बाढ़, सूखा, बर्फबारी, बहुत ज्यादा गर्मी और बहुत ज्यादा सर्दी पहले के मुकाबले में बढ़ते जा रहे हैं! पहाड़ों की बर्फ पिघलती जा रही है, जिन इलाकों में पहले सूखा पड़ता था वहां पर छतों तक पानी बरसात की वजह से बढ़ने लगा है! यह अचंभा नहीं तो क्या है कि अब तक मॉनसून वापस जा चुका होता है लेकिन अब भी हमारे देश में कई भागों में यह सक्रिय है और भारी बरसात के कारण सामान्य जनजीवन का सत्यानाश हो रहा है! यह सब प्रकृति से छेड़छाड़ का ही प्रभाव है! पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है, वृक्ष काटे जा रहे हैं, कंक्रीट के जंगलों का प्रसार हो रहा है, आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में अधिक से अधिक ऊर्जा का इस्तेमाल हो रहा है, जल, वायु तथा ध्वनि प्रदूषण ने सामान्य जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है! इन सब बातों का ग्रीन हाउस गैसों के संतुलन पर विपरीत प्रभाव पड़ता है! समय-समय पर पर्यावरण की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन तो होते रहते हैं, उसमें फैसले भी होते हैं लेकिन उन्हें लागू करने में..... पहले आप..... पहले आप... वाली नीति अब तक चल रही है! दुनिया के बड़े बड़े देश जिनमें अमेरिका, यूरोपियन देश, रूस तथा चीन आदि आ जाते हैं, वे अपने आर्थिक विकास के एजेंडे को धीमा नहीं करना चाहते! इसके बदले में वे विकासशील देशों से ही उम्मीद करते हैं कि पर्यावरण की रक्षा के लिए उपायों पर वही ही अमल करें! आजकल जिस तरह से रसायनिक प्रयोगों के द्वारा वैज्ञानिक प्रगति के फल स्वरूप कृत्रिम तरीके से बरसात, बर्फबारी, गर्मी, सर्दी आदि किए जा सकते हैं, कुछ लोगों को यह संदेह है कि अगर इस तकनीक का इस्तेमाल कोई देश शत्रु देशों के खिलाफ करने लगे तो भारी तबाही आ सकती है! यह तो सरासर विज्ञान का दुरुपयोग ही कहा जाएगा! इससे मानवता का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा! अंतरराष्ट्रीय बिरादरी को पर्यावरण को और ज्यादा प्रदूषित होने से बचाने के लिए मिल बैठकर उपाय सोचने ही नहीं बल्कि बिना किसी के ऊपर दबाव डाले बिना खुद से शुरुआत करनी चाहिए! प्रकृति से छेड़छाड़ बंद कर देनी चाहिए! अधिक वन लगाने चाहिए, अनावश्यक इमारतें नहीं बनानी चाहिए, ऊर्जा का न्यूनतम प्रयोग करना चाहिए, वाहनों की संख्या तथा उनके प्रयोग पर पाबंदी लगानी चाहिए,आवश्यकताओं को सीमित करना चाहिए ताकि उत्पादन कम पैदा करना पड़े और प्रदूषण कम फैले! वायु, जल आदि की स्वच्छता को बनाए रखना चाहिए! इसी में ही मानवता का भला है!

छठ:सूर्योपासना का महापर्व

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़, नई दिल्ली

आस्था और निष्ठा का अनुपम लोकपर्व 'छठ' उत्तर भारत, विशेषकर बिहार, झारखण्ड, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाने वाला सूर्योपासना का महापर्व है। यह पर्व सूर्य, उनकी पत्नी उषा तथा प्रत्यूषा, प्रकृति, जल, वायु और सूर्य की बहन छठी मैया को समर्पित है, जो 30 अक्तूबर को मनाया जा रहा है। उषा तथा प्रत्यूषा को सूर्य की शक्तियों का मुख्य स्रोत माना गया है, इसीलिए छठ पर्व में सूर्य तथा छठी मैया के साथ इन दोनों शक्तियों की भी आराधना की जाती है। षष्ठी देवी को ही छठ मैया कहा गया है, जो निसंतानों को संतान देती हैं और संतानों की रक्षा कर उनको दीर्घायु बनाती हैं। पुराणों में षष्ठी देवी का एक नाम कात्यायनी भी है, जिनकी पूजा नवरात्र में षष्ठी को होती है। माना जाता है कि छठ पर्व में सूर्य की उपासना करने से छठी माता प्रसन्न होकर घर-परिवार में सुख-समृद्धि, रोगमुक्ति, सम्पन्नता और मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार सूर्य देवता की बहन छठी मैया संतानों की रक्षा कर उन्हें लंबी आयु प्रदान करती हैं। प्रातःकाल में सूर्य की पहली किरण (उषा) और सायंकाल में सूर्य की अंतिम किरण (प्रत्यूषा) को अर्ध्य देकर दोनों को नमन किया जाता है।

सूर्योपासना का महापर्व छठ कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी को मनाया जाता है, इसीलिए इसे छठ कहा जाता है। इस चार दिवसीय उत्सव की शुरूआत कार्तिक शुक्ल चतुर्थी के दिन 'नहाय खाय' से होती है, अगले दिन 'खरना' होता है, तीसरे दिन छठ का प्रसाद तैयार किया जाता है और स्नान कर अस्त होते सूर्य को अर्ध्य दिया जाता है, सप्तमी को चौथे और अंतिम दिन उगते सूर्य की पूजा-आराधना के साथ इस महापर्व का समापन होता है। छठ पर्व के प्रसाद में प्रायः चावल के लड्डू बनाए जाते हैं और बांस की टोकरी में प्रसाद तथा फल सजाकर इस टोकरी की पूजा की जाती है। व्रत रखने वाली महिलाएं सूर्य को अर्ध्य देने तथा पूजा के लिए तालाब, नदी अथवा घाट पर जाकर स्नान कर डूबते हुए सूर्य की पूजा करती हैं और अगले दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्ध्य देकर पूजा करने के पश्चात् प्रसाद बांटकर छठ पूजा का समापन होता है।

सही मायनों में यह महापर्व जीवनदायी सूर्यदेव के प्रति आभार प्रकट करने का महापर्व है।

छठ महापर्व की शुरूआत को लेकर कई कथाएं प्रचलित हैं। ऐसी मान्यता है कि लोक मातृका षष्ठी की पहली पूजा सूर्यदेव ने ही की थी। सूर्य को ज्योतिष विधा में सभी ग्रहों का अधिपति माना गया है। इसीलिए मान्यता है कि यदि समस्त ग्रहों को प्रसन्न करने के बजाय केवल सूर्यदेव की ही आराधना की जाए तो कई लाभ मिल सकते हैं। माना जाता है कि सर्वप्रथम महाबली कर्ण ने ही सूर्यदेव की पूजा शुरू की थी और आज भी छठ पर्व में सूर्य को अर्ध्य देने का विशेष महत्व है। सूर्यपुत्र कर्ण तो भगवान सूर्य के परम भक्त थे, जो प्रतिदिन घंटों तक कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्यदेव को अर्ध्य दिया करते थे। सूर्यदेव की कृपा से ही वे महान् योद्धा बने थे। एक मान्यता यह भी है कि देवमाता अदिति ने प्रथम देवासुर संग्राम में असुरों से देवताओं के हार जाने पर तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति के लिए देवारण्य के देव सूर्य मंदिर में छठी मैया की आराधना की थी। छठी मैया ने उनकी आराधना से प्रसन्न होकर उन्हें सर्वगुण सम्पन्न तेजस्वी पुत्र को जन्म देने का वरदान दिया, जिसके बाद अदिति ने त्रिदेव रूप आदित्य भगवान को जन्म दिया, जिन्होंने देवताओं को असुरों पर विजय दिलाई। कहा जाता है कि तभी से छठ पर्व मनाए जाने का चलन शुरू हो गया।

इस पर्व को लेकर कुछ मान्यताएं महाभारत काल से भी जुड़ी हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार पाण्डव जब अपना सारा राजपाट जुए में हार गए थे, तब श्रीकृष्ण के निर्देशानुसार द्रोपदी ने छठ व्रत रखा और छठी मैया के आशीर्वाद से उनकी मनोकामनाएं पूर्ण होने पर पाण्डवों को राजपाट वापस मिला। पाण्डवों की पत्नी द्रोपदी द्वारा परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य की कामना और लंबी आयु के लिए नियमित रूप से सूर्य की पूजा करने का उल्लेख भी मिलता है। छठ पूजा के अवसर पर नदियों, तालाबों इत्यादि के किनारे पूजा की जाती है, जिससे लोगों को इन जलस्रोतों के आसपास साफ-सफाई रखने की प्रेरणा मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार छठ पूजा साफ-सुथरी नदी, तालाबों या अन्य जलस्रोतों के किनारे की जाती है, इसीलिए पूजा से पहले इन जलस्रोतों के आसपास पूरी साफ-सफाई करने का विधान है। यह महापर्व नदियों को प्रदूषण से मुक्त करने का प्रेरणा देता है, इसीलिए इसे सर्वाधिक पर्यावरण अनुकूल हिन्दू त्यौहार माना जाता है।

सैनिक

प्रीति चौधरी मनोरमा
बुलंदशहर उत्तरप्रदेश

सैनिक के साहस के आगे,झुकती बाधा की प्राचीर।
जो कुर्बान किये निज जीवन, थे भारत के ऐसे वीर।।
प्रेम कहाँ वो देते सुत को, कब तनया को करते प्यार।
सरहद ही उनका घर होता, सरहद ही उनका परिवार।।
कब बैठें वो घर में घुसकर, घूमें बनकर संत फ़कीर।
जो कुर्बान किये निज जीवन, थे भारत के ऐसे वीर।।
देश सखा है उन वीरों का, देश प्रेम में देते प्राण।
नींद सुहानी तजकर अपनी,देश सदा ही करते त्राण।।
उनकी साँसों में बहता है, गंगा जैसा पावन नीर।
जो कुर्बान किये निज जीवन, थे भारत के ऐसे वीर।।
सुख की चाह नहीं वे करते, मिटने का उनको अरमान।
मसि से लिखना नामुमकिन है, उन वीरों का यह बलिदान।।
सागर जैसे वे गहरे हैं, वसुधा जैसी रखते धीर।
जो कुर्बान किये निज जीवन, थे भारत के ऐसे वीर।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू,पहला अर्घ्य आज

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,29 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।
लोकआस्था के महापर्व छठ के दूसरे दिन शनिवार को छठव्रतियों ने तालाबों, जलाशयों नदियों में स्नान करने के बाद प्रसाद बनाया। शाम में शांत वातावरण में खरना का धार्मिक अनुष्ठान पूरा कर प्रसाद ग्रहण किया। व्रतियों के प्रसाद खाने के बाद परिवार के अलावा पास पड़ोस, नाते रिश्तेदारों का प्रसाद खाने का दौर शुरू हुआ, जो देर रात तक चलता रहा। इसके साथ ही तकरीबन 36 घंटे का व्रतियों का निर्जला उपवास शुरू हो गया। व्रती अब उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के बाद प्रसाद ग्रहण कर उपवास तोड़ेंगी। वहीं रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया जाएगा। इसके लिए व्रती तालाब, नदी, डैम में स्नान कर शाम में अस्ताचलगामी भगवान भुवन भास्कर को पहला अर्घ्य देंगी। फिर सोमवार को सुबह जल में उतरकर भगवान की आराधना करेंगे। साथ ही उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करेंगे इसके साथ ही चार दिवसीय महा छठ की पूर्णाहुति होगी। इधर शनिवार को बाजार में काफी रौनक रही। लोग पूजन सामग्री, फल अन्य सामान की खरीदारी करने में व्यस्त रहे। शहर के गुदरी बाजार में जगह-जगह गन्ना, सूप-दउरा, पूजन सामग्री आदि की स्टॉल लगाए गए थे। छठ को लेकर हर ओर भक्ति और उत्साह का माहौल है। बाजार मैं खरीदारी करने लोगों की भीड़ लगी रही।

खीर बनाने शुद्धता का रखा पूरा ध्यान

खीर प्रसाद बनाने के लिए नदियों और कुएं के पानी इस्तेमाल किया। नये चूल्हे पर आम की लकड़ी को जलावन में इस्तेमाल करते हुए पीतल के बर्तन में खरना के लिए प्रसाद बनाया गया। प्रसाद के लिए खीर व रोटी पकाई गई। शाम ढलते ही छठ व्रतियों ने छठ गीतों के बीच प्रसाद ग्रहण किया।

राज्य स्तरीय शतरंज प्रतियोगिता सम्पन्न

रायपुर की प्राची यादव बनी राज्य चैंपियन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,29 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।
शतरंज संघ सरगुजा द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय महिला शतरंज प्रतियोगिता का समापन नगर निगम अंबिकापुर के महापौर अजय तिर्की के मुख्य आतिथ्य और पार्षद गीता श्रीवास्तव के विशिष्ट आतिथ्य में हुआ। प्रतियोगिता में रायपुर की प्राची यादव 4.5 अंकों के साथ विजेता बनीं। मुख्य अतिथि महापौर अजय तिर्की ने समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पहले बाहर के खिलाड़ी अंबिकापुर आने से कतराते थे, लेकिन अब परिस्थितियां बदल चुकीं हैं जिसके कारण खिलाड़ी अंबिकापुर आकर उत्साहित रहते हैं। उन्होंने शतरंज भवन की आवश्यक कमियों को अतिशीघ्र दूर करने की बात कही, ताकि यहां आने वाले खिलाडियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। पार्षद गीता श्रीवास्तव ने विजेताओं को बधाई व शुभकामनाएं दी। महापौर एवं अन्य अतिथियों द्वारा प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में रायपुर की प्राची यादव विजेता बनीं उन्हे पुरस्कार स्वरूप 5000 नकद और ट्रॉफी प्रदान किया गया। कोरबा की परी तिवारी दूसरे स्थान पर रहीं। उन्हे 3000 रुपए और ट्रॉफी प्रदान किया गया। रायपुर की यशस्वी उपाध्याय ने तीसरा स्थान प्राप्त किया उन्हे पुरस्कार स्वरूप 2000 रुपए और ट्रॉफी प्रदान की गई। चौथा स्थान सरगुजा की पूजा बघेल ने प्राप्त किया जिन्हें 1000 की नकद राशि और ट्रॉफी प्रदान किया गया। उपरोक्त चारों खिलाडियों का चयन राष्ट्रीय महिला शतरंज प्रतियोगिता के लिए किया गया है। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के सचिव हेमंत खूंटे, छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के सह सचिव एसके वैष्णव, शतरंज संघ के सरगुजा के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राणा, उपाध्यक्ष एसएसपी वर्मा, विश्वास तिवारी, एस कुरैशी, अनीश अंसारी, दीपक श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे।

सोनिया भगत को मिला बेस्ट सरगुजा का पुरस्कार

इसके अतिरिक्त बेस्ट अंडर 13 का पुरस्कार दुर्ग के इच्छा साहू, बेस्ट अंडर 15 का पुरस्कार स्नेहा गुप्ता सरगुजा और बेस्ट सरगुजा खिलाड़ी का पुरस्कार सोनिया भगत को दिया गया। उपरोक्त तीनों खिलाडियों को पुरस्कार स्वरूप 1000-1000 की सम्मान राशि प्रदाय की गई। इस अवसर पर अंबिकापुर के पहले अंतरराष्ट्रीय शतरंज निर्णायक अनीश अंसारी, कोरिया के राष्ट्रीय प्रशिक्षक अब्दुल शमीम को भी सम्मानित किया गया।

आरोग्य भारती सरगुजा शाखा ने मनाया धनवंतरी जयंती समारोह

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,29 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।
.. शनिवार को आरोग्य भारती सरगुजा शाखा द्वारा संघ कार्यालय प्रणव भवन अम्बिकापुर के सभागार में भगवान धनवंतरी का जन्मदिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान मुख्य अतिथि अनिल सिंह मेजर व डॉ. निर्मल पाण्डेय द्वारा परंपरागत आयुर्वेद स्वास्थ्य के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में प्रांत पदाधिकारी डॉ. रविशंकर सिंह द्वारा सभी को आरोग्य भारती के सभी आयाम के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम विश्व हिन्दू परिषद से मदनमोहन शर्मा, नगर कार्यवाह अनुज दुबे, जिला कार्यवाह अजय मिश्र, आरोग्य भारती उपाध्यक्ष डॉ. जितेंद्र सोनी, नगर संयोजक सीमा गुप्ता, नवीन गुप्ता, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. विसंभर सिंह, डॉ. दीपक सोनी, महिला संयोजक सवीता सिन्हा, रुपा सिंह, निशांत पाण्डेय, सोमशेखर मिश्रा, अजय पासवान, प्रभा सिंह, सरस्वती कुशवाहा, माधुरी कुशवाहा शामिल रहे।

पिकप की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत

-संवाददाता-

लखनपुर ,29 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।
.लखनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कटिंदा बंधा मुख्य मार्ग में 29 अक्टूबर दिन शनिवार की सुबह लगभग 8:30 बजे पिकअप ने बाइक सवार को मारी जोरदार टक्कर बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। लखनपुर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को किया सुपुर्द पिकअप चालक वाहन छोड़ मौके से फरार हो गया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक ग्राम लहपट्रा निवासी शिव शंकर दास उम्र लगभग 17 वर्ष अपने छोटे जीजा और दीदी के साथ मेहमानी करने ग्राम कटिंदा अपने बड़े जीजा के घर आया हुआ था । अपने जीजा और दीदी को घर में छोड़ व ग्राम बंधा की ओर किसी कार्य से गया था। वापस ग्राम कटिंदा आने के दौरान जैसे ही वह पुलिया के समीप पहुंचा विपरीत दिशा से आ रहे बोलेरो पिकअप वाहन क्रमांक सीजी 15 स्द्ध 9044 के चालक ने लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए जोरदार टक्कर मार दी। सर में गंभीर चोट आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। तो वहीं घटना की सूचना लखनपुर पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही सहायक उपनिरीक्षक डेविड मिंज दल बल के साथ मौके पर पहुंचे। युवक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सुपुर्द किया साथ ही पिकअप वाहन को जप्त कर मामले में कार्यवाही जारी है।

माला गूंथने के नाम पर सोने का मोहर ठगी करने वाले दो महिला गिरफ्तार

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,29 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।..
. ठगी के मामले में दरिमा पुलिस ने दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इन महिलाओं द्वारा कुछ दिन पूर्व माला, मोहर गूथने के नाम पर एक महिला का सोने का मोहर की जगह नकली मोहर गुथ कर थमा दिया था। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने दोनों महिलाओं को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सरिता सिंह दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम बरगंवा की रहने वाली है। कुछ दिन पूर्व दो अज्ञात महिलाएं इनके पास आई थी और माला मोहर आदि गूथवाने के लिए बोला। सरिता सिंह इनके बातों में आकर अपना सोने का मोहर गूथने को दिया। गूथने के दौरान दोनों महिलाएं बदल कर नकली मोहर गूथ कर वापस दे दिया। कुछ देर बाद जब सरिता सिंह को जानकारी लगी तो वह इसकी रिपोर्ट दरिमा थाना में दर्ज कराई थी। पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ अपराध दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही थी। मुखबिर की सूचना पर थाना प्रभारी दरिमा प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक डॉ प्रशांत देवांगन ने ममता बाई, मानती बाई को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो दोनों माला गूथने के नाम पर ठगी करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने दोनों महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। दोनों महिलाएं ग्राम केपी गिरी पारा की रहने वाली है।

घायल अवस्था में मिले व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,29 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।..
सड़क दुर्घटना में घायल होने पर शुक्रवार की रात को एक व्यकित को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार तिलक राम यादव उम्र 54 वर्ष बिश्रामपुर थाना क्षेत्र के ग्राम खरसुरा का रहने वाला था। वह शुक्रवार की शाम को साइकिल से कहीं गया था। परिजन को जानकारी मिली की कटईपारा व खरसुरा के बीच वह घायल अवस्था में सड़क पर पड़ा हुआ है। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

नाबालिग लड़की को भगा कर बलात्कार करने वाला आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,29 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।
... स्कूल जाने निकली नाबालिग छात्रा को बहला फूसलाकर भगा कर ले जाने व उसके साथ बलात्कार करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार पीड़िता स्कूल जाने कह कर घर से निकली थी। जो शाम तक वापस नहीं लौटी। परिजन ने इसकी रिपोर्ट गांधीनगर थाना में दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में विजय मेहरा निवासी हंडिया जिला हरदा को गिरफ्तार किया है। यह पीड़िता को भगा कर अपनी बहन के घर में रखा था और उसके साथ बलात्कार भी किया था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से नाबालिक को बरामद किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दी है।

सीईओ ने किया खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,29 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।
जिला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप शनिवार को समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारी का जायजा लेने धान उपार्जन केंद्रों में पहुंचे। उन्होंने अम्बिकापुर जनपद उपार्जन केंद्र खैरबार, मेंड्राकला और रामपुर का निरीक्षण कर किसानों के लिये आवश्यक मूलभूत सुविधाओं सहित अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

खरीदी के मद्देनजर केंद्रों में आवश्यक व्यवस्था के संबंध में सीईओ सर्वप्रथम खैरबार धान खरीदी केंद्र पहुंचे। केंद्र में विगत वर्ष धान खरीदी के बारे में पूछताछ की। इसके साथ ही उपलब्ध बारदाना की स्थिति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। तत्पश्चात वे मेंड्राकला धान खरीदी केंद्र पहुंचे। उन्होंने किसानों के पंजीयन और रकबे में संशोधन की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त की। समिति में किसानों के लिए बिजली, पानी और शौचालय की व्यवस्था दुरूस्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही समिति की नियमित साफ-सफाई और किसानों के लिए बैठक व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। किसानों को धूप से बचाव के लिए आवश्यकतानुसार तिरपाल की व्यवस्था सुनिश्चित करने कहा गया। खरीदी केंद्रों में शासन के गाइडलाइन के अनुसार फ्लेक्स लगाने के निर्देश दिए गए। रामपुर में धान उठाव के संबंध में पूछताछ की। कम्प्यूटर व्यवस्था और बारदाने की व्यवस्था शीघ्र करने निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान अम्बिकापुर एसडीएम श्री प्रदीप साहू मौजूद थे।

गाय के सिजेरियन ऑपरेशन से बछड़े को मिला नवजीवन

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,29 अक्टूबर 2022(घटती-घटना)।
गाय का सीजेरियन ऑपरेशन कर गर्भ में पल रहे बछड़े को जीवित बाहर निकाल कर चिकित्सकों ने बछड़े को नया जीवन दिया। बतौली निवासी एक पशुपालक की गर्भित गाय जिसका गर्भकाल पूर्ण हो चुका था वह करीब 15 दिन से कमजोर होकर लेट गई थी। पशुपालक के द्वारा इसकी जानकारी शुक्रवार को स्थानीय पशु चिकित्सक तथा उपसंचालक को दी गई। उपसंचालक के निर्देश पर पशु चिकित्सक दरिमा डॉ. सफदर अली खान मौके पर पहुंचे। जांच करने पर पाया कि सिजेरियन आपरेशन से गाय के गर्भ मे पल रहे नवजात बछ्ड़े को जीवित बचाया जा सकता है। उच्च अधिकारियों के सलाह से डॉक्टर खान के द्वारा गाय का आपरेशन कर सफलतापूर्वक नवजात बछ्ड़े को निकाला गया जिसके द्वारा गर्भ का तरल पदार्थ पी लिया गया था। डॉ खान ने बताया कि गाय की स्थिति नाजुक बनी हुई है। गाय का उपचार विभाग के द्वारा जारी है। इस आपरेशन मे डॉक्टर सफदर खान के साथ डॉक्टर अनिल चौहान का विशेष सहयोग रहा।

सूर्योपासना का महापर्व

छठपर्व

की

हार्दिक शुभकामनाएं...

प्रेरणा स्त्रोत

माई श्रीमती तेतरी देवी

हम सब ने सरगुजा संभाग मुख्यालय अंबिकापुर के उत्तरी हिस्से में बहने वाली बांकी नदी तट शंकर घाट में छठ महोत्सव का आयोजन मां महामाया छठ सेवा समिति के माध्यम से दो दशक पूर्व शुरू किया था। चंद लोगों के साथ शुरू किया गया यह महापर्व, अब महोत्सव का रूप ले चुका है। सूर्योपासना के महापर्व (छठ) पर यहां हजारों की संख्या में श्रद्धालु, मां महामाया छठ सेवा समिति की व्यवस्थाओं के बीच सूर्य उपासना करते रहे हैं। हमेशा पुलिस और प्रशासन का भी सहयोग मिलता रहा है। इस बार भी पुलिस, प्रशासन और शहर के सेवाभावी लोगों के सहयोग से मां महामाया छठ सेवा समिति ने शंकर घाट में व्रती श्रद्धालुओं के साथ यहां पहुंचने वाले समाज के सभी वर्ग के लोगों की सुविधाओं का ख्याल रखा है।हम बेहतर से बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने प्रयासरत है।आप सभी के सहयोग के हम आभारी है। पुलिस और प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन कर हम सूर्यदेव की आराधना का पर्व उल्लास के साथ मना रहे हैं, इन्हीं मंगलकामनाओं के साथ....

आपका अपना **विजय सोनी** मां महामाया छठ सेवा समिति शंकरघाट अंबिकापुर

जय छठी मईया की ... जय सूर्यदेव.....

विजय सोनी **दीपाली सोनी**

कार्तिकेय विजय सोनी

कुमार कनिष्का

दिक्षा अग्रवाल

बामा राय - मुनमुन राय

शंकर प्रजापति - गीता प्रजापति

शैलू सोनी - सीमा सोनी

अनंगपाल दीक्षित - अर्चना दीक्षित

असीम सेनगुप्ता - माधुरी सेनगुप्ता

अपूर्व सिंह - मनीषा सिंह

विमलेश त्रिपाठी - मयंक त्रिपाठी

अभिषेक सोनी - आरजू सोनी

विशेश्वर सोनी, मुकुंद सोनी, सुनील सोनी, राकेश सोनी, राजेश स्वर्णकार, सूर्यदेव दूबे, मोनिष स्वर्णकार, निमेश सोनी, राकेश सोनी, अभिषेक सोनी, शिवेश कटेलिहा, सूटन सिंह, भानू सिंह, शिवम सोनी, यशवर्धन सिंह

हर्ष सिंह, धनराज, योगेन्द्र, नवीन, राज सोनी, कुणाल, करण, शशांक, आदित्य गौतम, आदित्य प्रताप सिंह, अंगद, पप्पू ठाकुर, बबलू कुशवाहा, शांति देवी, सरस्वती देवी

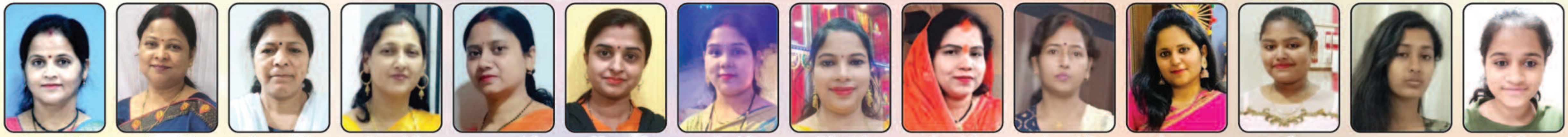

किरण सोनी, सोभा सोनी, नीलम सोनी, सीमा सोनी, अनुपमा सोनी, उर्मिला सोनी, रूबी सोनी, डॉली सोनी, मोनू सोनी, श्वेता सोनी, श्रेया, आयुषी, गुनगुन, ओमी

आर्यन, अंशु, वंश, रूद्राक्ष, दक्षिता, सान्वी, कुहू, नन्नू, आराध्या, शगुन, बुढऊ, शिवाय, वैष्णवी

गुलमोहर
मायापुर
अम्बिकापुर

राकेश गुप्ता - रितु गुप्ता

वागा-न्यू साउथ वेल्स, आस्ट्रेलिया

संजीव सिन्हा - जया सिन्हा

सिम्फ़नी हाइट्स, सिंगापुर

सुखविंदर सिंह - नीलू

न्यू जर्सी , यूएसए

रूबेश गुप्ता - रश्मि गुप्ता

संजय अग्रवाल - सुमन अग्रवाल

डॉ. सौरभ गोयल - डॉ. निधि गोयल

गृहभाड़ा भत्ता सहित अन्य भत्तों की स्वीकृति में भारी गड़बड़ी:राजेंद्र सिंह

छत्तीसगढ़ वेतन पुनरीक्षण नियम 2017 संबंधी वित्त विभाग के निर्देश अनुसार भत्तों का भुगतान नहीं हुआ:छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन वित्त विभाग मंत्रालय आदेश दिनाँक 19 मई 2017 के द्वारा छत्तीसगढ़ वेतन पुनरीक्षण नियम 2017 के अंतर्गत वेतन नियतन संबंधी निर्देश जारी किया गया था। जिसमें निर्देश-16 में स्पष्ट उल्लेख है कि यात्रा भत्ता, अवकाश यात्रा सुविधा तथा अन्य सुविधायें जो मूलवेतन से जुड़ी हुई थी, पूर्व के वेतन संरचना के आधार पर ही देय होगी। इसी प्रकार अन्य भत्ते जैसे गृहभाड़ा भत्ता, अनुसूचित क्षेत्र भत्ता तथा प्रतिनियुक्ति भत्ता वेतन पुनरीक्षण के पहले के वेतन संरचना में लागू दरों पर भुगतान होंगे। लेकिन वित्त विभाग के निर्देश अनुसार भुगतान अनेक कार्यालयों में नहीं हुआ है। राज्य के अनेक क्षेत्र से प्राप्त जानकारी अनुसार छत्तीसगढ़ प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष राजेश चटर्जी एवं राजेंद्र सिंह ने बताया कि राज्य शासन के कर्मचारियों के लिए 1 जनवरी 2016 से छत्तीसगढ़ वेतन पुनरीक्षण नियम 2017 (सातवाँ वेतनमान) को वित्त विभाग छत्तीसगढ़ शासन के अधिसूचना 19 मई 2017 द्वारा लागू किया गया था। उन्होंने बताया कि वेतन नियतन संबंधी निर्देश साथ ही जारी हुआ था। उन्होंने जानकारी दिया कि निर्देश-16 के अंतर्गत कर्मचारियों को गृहभाड़ा भत्ता छत्तीसगढ़ वेतन पुनरीक्षण नियम 2017 के पहले के वेतन संरचना अथार्त छत्तीसगढ़ वेतन पुनरीक्षण नियम 2009 के वेतन में लागू दरों पर भुगतान करना था। जिसमें प्रतिवर्ष वेतनवृद्धि के साथ वृद्धि करना था। लेकिन अनेक कार्यालयों में 1 जनवरी 2016 अथवा 1 जुलाई 2017 के स्थिति में प्राप्त हुए गृहभाड़ा भत्ता की राशि में बिना वृध्दि किये आज पर्यन्त भुगतान किया जा रहा है। जबकि सर्विस बुक अथार्त सेवा पुस्तिका में सातवे वेतन पे-मैट्रिक्स अनुसार स्वीकृत वार्षिक वेतनवृद्धि उपरान्त प्राप्त वेतन को छटवे वेतन में परिवर्तित कर क्षेत्र में लागू दर 10 प्रतिशत अथवा 7 प्रतिशत अनुसार गृहभाड़ा भत्ता स्वीकृत करना था।

उन्होंने वेतन नियतन के संबंध में उदाहरण देकर बताया कि किसी कर्मचारी का 1 जनवरी 2016 के स्थिति में छठवाँ वेतन 9300-34800+4200 में 12090+4200=16290 था। जोकि 7 वाँ वेतनमान के लेवल 8 में 42300 पर निर्धारित होगा। वित्त विभाग के निर्देश अनुसार गृहभाड़ा भत्ता नियतन जनवरी 16 को 7 वाँ ₹42300 का 6 वाँ वेतन ₹16290 पर गृहभाड़ा भत्ता 10 प्रतिशत 1629 एवं 7 प्रतिशत 1140 में होगा। अगले वेतनवृद्धि तिथि 1 जुलाई 16 को 7 वाँ प्रतिशत 43600 का 6 वाँ वेतन 16780 में 3 प्रतिशत वृध्दि पर 10 प्रतिशत 1678 एवं 7 प्रतिशत 1140 होगा। जुलाई 17 को 7 वाँ 44900 का 6 वाँ वेतन 17290 पर 10 प्रतिशत 1729 एवं 7 में 1210 होगा। जुलाई 18 को 7 वाँ वेतन 46200 का 6 वाँ वेतन 17810 पर 10 प्रतिशत 1781 एवं 7 प्रतिशत 1247 होगा। जुलाई 19 को 7 वाँ वेतन 47600 का 6 वाँ वेतन ₹18350 पर 10 प्रतिशत 1835 एवं 7 प्रतिशत 1285 होगा। जुलाई 20 को 7 वाँ वेतन 49000 का 6 वाँ वेतन 18910 पर 10 प्रतिशत 1891 एवं 7 प्रतिशत 1324 होगा। जुलाई 21 को 7 वाँ वेतन 50500 का 6 वाँ वेतन 19480 पर 10 प्रतिशत 1948 एवं 7 प्रतिशत 1364 होगा एवं जुलाई 22 को 7 वाँ वेतन 52000 का 6 वाँ वेतन 20070 पर गृहभाड़ा भत्ता 10 प्रतिशत 2007 एवं 7 प्रतिशत 1405 होगा। लेकिन अनेक कर्मचारियों को विगत 8 वर्षों से जनवरी 2016 का 7 वाँ वेतन का 6 वाँ वेतन 16290 पर ही गृहभाड़ा भत्ता 10 प्रतिशत 1629 एवं 7 प्रतिशत 1140 निश्चित राशि दिया जा रहा है। जोकि अन्य समस्त ग्रेड पे/लेवल में 7 वाँ वेतन का 6 वाँ वेतन पर लागू होगा। फेडरेशन के कहना है कि कार्यालय प्रमुख/आहरण संवितरण अधिकारियों को अपने स्थापना में मामले को संज्ञान में लेकर कर्मचारियों को शासन के आदेशानुसार गृहभाड़ा भत्ता स्वीकृत कर 2016 से 2022 तक का एरियर्स देना चाहिये। इसी प्रकार पदोन्नति अथवा क्रमोन्नति के फलस्वरूप ग्रेड-पे (लेवल) परिवर्तन के अनुसार यात्रा भत्ता, परियोजना भत्ता,अनुसूचित क्षेत्र भत्ता एवं प्रतिनियुक्ति भत्ता जैसे अन्य भत्ते जो मूल वेतन से जुड़े हैं, उनका भुगतान भी वेतन पुनरीक्षण नियम 2017 के पहले के वेतन संरचना अथार्त वेतन पुनरीक्षण नियम 2009 में लागू दरों पर करना था।

स्वास्थ्य विभाग के महिला कर्मचारी अधिकारी के साथ साथ बहन बेटी सुरक्षित नहीं:रेणुका सिंह

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया की जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह मौजूदा सरकार पर साध निशाना कहा जब से प्रदेश में कांग्रेस की भूपेश बघेल की सरकार आई है तब से प्रदेश की बहन बेटियों के साथ लागतार दुष्कर्म और अपीर्य घटना देखने को मिलता रहता है। नवीन जिला मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर दुष्कर्म, बलात्कार जैसे घटना होना आम घटना हो गया है फिर भी सरकार गहरी नींद में कुंभकरण की भांति सो रही है। छत्तीसगढ़ प्रदेश के प्रथम और द्वितीय विधानसभा क्षेत्र इसी जिला के अंतर्गत आते हैं और इन दोनों विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेश के ही विधायक निर्वाचित हैं और इस प्रकार की घटनाओं पर बेशुद्ध हैं यही घटना अगर उत्तर प्रदेश चुनाव के समय घटित हुआ रहता तो शायद छत्तीसगढ़ की प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा पीड़िता को 50 लाख मुआवजा की राशि देने की घोषणा कर आते लेकिन या छत्तीसगढ़ की सरकार है जो धृतराष्ट्र जैसे आंख से अंधा बनकर बैठी पड़ी है।

श्रीमती सिंह ने आगे कहा की इन्हीं के एनएसयूआई युवा कार्यकर्ता के द्वारा लड़कियों के साथ छेड़खानी और बलात्कार जैसी घटनाओं को अंजाम दिया जाता है एक मामला शांत हो नहीं पाता की दूसरा अजात है, भगवान के बाद अगर किसी को स्थान दिया जाता है तो वह है हमारे स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी व डॉक्टर, हमारे उप स्वास्थ्य केंद्र छिपछिपी मनेंद्रगढ़ में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी के साथ अभी सामूहिक रूप से बलात्कार की घटना को अंजाम दिया गया जिसके लिए जनाक्रोश के साथ साथ कर्मचारी अधिकारी आक्रोशित होकर मनेंद्रगढ़ में रैली निकाले और अपना विरोध प्रदर्शन

किए और दोषियों को तत्काल फांसी देने की मांग की जा रही है। एक घटना ठंडा हो नहीं पाया की उप स्वास्थ्य केंद्र फूनगा ब्लॉक खडगवा में पदस्थ सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी और द्वितीय ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक के साथ असामाजिक प्रकार के व्यक्तियों के द्वारा गाली-गलौज अभद्रता किया गया, जिस के संबंध में ब्लॉक खड़गवां खण्ड चिकित्सा अधिकारी के द्वारा मेरे को दूरभाष के माध्यम से सूचना दिया गया था, फूनगा के स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ कर्मचारियों के साथ आसपास के असामाजिक तत्वों के लोग परेशान गाली गलौज और छेड़खानी कर रहे हैं तो तुरंत संज्ञान में लेते हुए मै वहा पहुंचकर ग्रामीणों के सहयोग से स्वास्थ्य केंद्र पहुची तब तक आरोपी लोग वहां से भाग गए थे, मेरे पहुंचने के कुछ समय बाद पुलिस टीम भी पहुंची और त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपियों के खिलाफ जानकारी ली और लिखित में सूचना लेकर कार्यवाही तेज कर दी गई।

स्वास्थ्य केंद्र प्रांगण में स्थित आंगनबाड़ी केंद्र व स्कूल में लाइट के अभाव के कारण अंधेरा- जिला पंचायत अध्यक्ष रेणुका सिंह ने बतया की मै जब वह रही तो एक और कमी दिखी जो यह थी की उस स्वास्थ्य केंद्र प्रांगण में आंगनबाड़ी केंद्र व स्कूल में लाइट के अभाव के कारण अंधेरा शाम को हमेशा बनी रहती हैं जिसके कारण अप्रिय घटना होने की संभावना हमेशा बनी रहती हैं और उप स्वास्थ्य केंद्र छिपछिपी जैसी घटनाओं की पुनरावृति कभी भी हो सकती हैं, इस पर मैंने त्वरित संज्ञान लेते हुए मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र जारी किया और तुरंत सुधार करने की बात कही, कठोर से कठोर कार्यवाही करते हुए दोषियों के उपर एफआईआर और प्रत्येक स्वास्थ्य केंद्र में चौकीदार की नियुक्ति करने की मांग की गई है। इस प्रकार की अप्रिय घटनाओं और दुष्कर्म पर जल्द ही रोक नहीं लगाई जाती हैं तो जल्द ही उग्र आंदोलन कर विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

पदोन्नत हुए सहायक शिक्षकों की पदस्थापना करने कलेक्टर ने किया जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय समिति का गठन

-संवाददाता-

बलरामपुर 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के अंतर्गत स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 1180 सहायक शिक्षकों को प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक के पद पर पदोन्नति दी गई है। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने पदोन्नत हुए शिक्षकों की पदस्थापना कॉउंसलिंग के माध्यम से करने हेतु जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया है। कलेक्टर ने पदस्थापना कॉउंसलिंग हेतु जिला स्तरीय एवं विकासखण्ड स्तरीय समिति का गठन किया है। जिला स्तरीय गठित समिति में अपर कलेक्टर अध्यक्ष तथा सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग, जिला कोषालय अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी एवं सहायक संचालक योजना कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी को सदस्य नियुक्त किया गया है। इसी प्रकार विकासखण्ड स्तरीय समिति में संबंधित अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अध्यक्ष तथा जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी को सदस्य नियुक्त किया गया है। कलेक्टर के द्वारा जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर पदस्थापन करने दिशा-निर्देश जारी किया गया है। जारी दिशा-निर्देश में जिला स्तरीय पदस्थापना विकासखण्ड स्तर से अतिशेष शिक्षकों का प्रस्ताव के आधार पर अन्यत्र विकासखण्डों में कॉउंसलिंग उपरांत रिक्त पदों की जानकारी एकजाई कर जिला स्तरीय कॉउंसलिंग तिथि को विकासखण्डवार रिक्त पदों का प्रकाशन किया जाएगा, साथ ही जिले की वरियता सूची के आधार पर तथा दिव्यांग एवं महिला शिक्षकों को प्राथमिकता के आधार पर पदस्थापन करने व शिक्षक विहीन एवं एकल शिक्षकीय विद्यालयों को प्राथमिकता देने तथा पदस्थापना पूर्व शिक्षकों से रिक्त तीन शालाओं को प्राथमिकता क्रम में विकल्प पत्र में लेने के निर्देश दिये हैं। इसी प्रकार विकासखण्ड स्तरीय पदस्थापना कॉउंसलिंग में वरियता सूची के आधार विकासखण्ड अंतर्गत शिक्षकों की पदस्थापना की जायेगी। दिव्यांग एवं महिला शिक्षकों की पदस्थापना रिक्त होने पर उसी विद्यालय में करने, शिक्षक विहीन एवं एकल शिक्षकीय विद्यालय में प्राथमिकता के आधार पर लेने, यथासंभव पदांकन रिक्त हो तो उसी संस्था में पदस्थापना करने तथा पदोन्नत शिक्षक के शाला में पद रिक्त नहीं होने की स्थिति में नजदीकी विद्यालय, संकुल तथा विकासखण्ड अंतर्गत अन्य विद्यालयों में प्राथमिकता के आधार पर पदस्थापना करने के निर्देश दिये हैं।

पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी के संकल्प को छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों तक पहुंचाने के संकल्प के साथ पदयात्रा का समापन

-सोनू कश्यप-

प्रतापपुर 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

प्रदेश में शराबबंदी की मांग लंबे समय से की जा रही है। कांग्रेस की घोषणापत्र में भी यह शामिल रहा है। इसके लिए समिति भी बनाई गई है, लेकिन तीन साल बाद भी समिति की रिपोर्ट सामने नहीं आई। इन सबके बीच शराबबंदी की मांग को लेकर आदिवासी बापू धर्म सभा श्री माता राजमोहिनी देवी के संस्था के अध्यक्ष त्रिभुवन सिंह टेकाम व पदम श्री माता राज मोहनी देवी की पुत्री राम बाई के नेतृत्व में जनजागरण अभियान शुरू कर किया गया था । सैकड़ों ग्रामीणों के साथ पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी आश्रम प्रतापपुर खोरमा आश्रम से सोनगरा आश्रम पदयात्रा शुरू की गई दो दिवसीय पदयात्रा का समापन सोनगरा आश्रम में किया गया इस दौरान संस्था अधयक्ष त्रिभुवन सिह टेकाम ने कहा पद्मश्री माता राजमोहिनी देवी के उद्देश्यों को छतीसगढ़ प्रदेश सहित अन्य राज्यों में नशामुक्ति शराबबंदी गौ हत्या के संबंध मे जनजागृति पदयात्रा लगातार जारी रहेगा समाज के युवा पीढ़ियों को प्रशासन दूर रखने का संकल्प लेकर समाज में फैली गंदगी को दूर किया जाएगा खादी का उपयोग कर स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करने का भी संकल्प लिया जाएगा वहीं माता राम बाई ने शराबबंदी मांग को लेकर जनजागरण अभिया पहली बार शराब छोड़ाबो, गांव बचाबो का नारा देकर इसे आंदोलन का रूप दिया है। इस दौरान माता राजमोहिनी देवी आश्रम खोरमा से लेकर आश्रम सोनगरा तक यात्रा की पहुची इस दौरान प्रतापपुर धरमपुर सिंगल डोल होकर मानपुर होते हुए केरता में रात्रि विश्राम और उसके बाद फिर पुनः यात्रा प्रारंभ कर सोनगरा आश्रम में पद यात्रा का समापन किया किया गया इस दौरान अमृत सिंह मरावी गोविन्द राम उईके शयाम सुंदर प्रजापति शिवलाल सिह बाबु लाल पोया राजेन्द्र सिह दरसथ सिह रामकेवल बसंत पावले विदयासागर सिह रामचरित्र प्रजापति पूरन सिंह सहित सैकड़ों माता के अनुयाई पदयात्रा में शामिल थे

कलेक्टर विजय दयाराम के.व पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने किया जिला स्तरीय राज्योत्सव मुख्य समारोह स्थल का निरीक्षण

कलेक्टर ने गरिमामयी आयोजन के लिए अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

-संवाददाता-

बलरामपुर 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विजय दयाराम के. एवं पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग ने 1 नवम्बर 2022 को जिला मुख्यालय बलरामपुर के हाई स्कूल मैदान में आयोजित होने वाले राज्योत्सव मुख्य समारोह स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्य मंच की सजावट गरिमामयी ढंग से समयपूर्व पूरी कर ली जाये, इसके साथ ही उन्होंने व्हीआईपी बैठक व्यवस्था, पत्रकार दीर्घा, दर्शक दीर्घा में पर्याप्त बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कार्यक्रम

स्थल पर स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकीय दल हेतु स्टाल, कार्यक्रम स्थल की साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था, अनवरत विद्युत व्यवस्था आदि की जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि राज्योत्सव कार्यक्रम में जो विभाग प्रदर्शनी लगाये, वे इस बात का ध्यान रखें कि प्रदर्शनी जीवंत ढंग से लगायी जाये ताकि प्रदर्शनी का अवलोकन करने वाले ग्रामीणों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं की जानकारी मिल सके और वे इसका लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि जिन विभागों के पास विभागीय योजनाओं से संबंधित पाम्पलेट, ब्रोसर, पुस्तकें आदि हो, वे वितरण करना सुनिश्चित करें। पुलिस अधीक्षक श्री मोहित गर्ग ने पुलिस अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था हेतु पर्याप्त पुलिस बल लगाने तथा यातायात व पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन श्री प्रशांत कतलम, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री भरत कौशिक, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बसंत सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सुमित गुप्ता, रक्षित निरीक्षक श्री सनत ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजुद रहे।

राष्ट्र निर्माण में पुलिस की भूमिका विषय पर विविध स्पर्धा आयोजित

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

भारत सरकार गृह मंत्रालय के आदेशानुसार पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ के निर्देशानुरूप पुलिस अधीक्षक कोरिया त्रिलोक बंसल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित झा के मार्गदर्शन में पुलिस झंडा दिवस का आयोजन दिनांक 21 से 31 अक्टूबर 2022 तक किया जा रहा है जिसके अंतर्गत कार्यक्रम की नोडल अधिकारी अनुविभागीय पुलिस अधिकारी बैकुंठपुर श्रीमती कविता ठाकुर एवं जिले की पुलिस टीम शुक्रवार को पंडित ज्वाला प्रसाद उपाध्याय शासकीय महाविद्यालय पटना पहुंचकर पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन ÷राष्ट्र निर्माण में पुलिस की भूमिका÷ थीम पर कराए जिसमें निबंध प्रतियोगिता में प्रथम सुमन साहू, द्वितीय अभिषेक भगत, तृतीय रश्मि ब्रिशेन, चित्रकला में प्रथम पूर्णिमा साहू, द्वितीय सुरेंद्र रजवाड़े, तृतीय आयुष जयसवाल, वाद-विवाद पक्ष प्रथम गणेश

कुमार देवांगन, द्वितीय संस्कृति साहू, विपक्ष प्रथम ऋषिका जायसवाल, द्वितीय सौरभ कुमार चौबे, गायन प्रथम निशा मिश्रा, द्वितीय स्थान सुनीता प्रजापति ने प्राप्त किया। विजेता प्रतिभागियों को सम्मान एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा। महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक कोरिया द्वारा संचालित समर्थ अभियान की विस्तृत जानकारी छात्रों को दी गई जिसके तहत साइबर अपराध, ट्रैफिक ह्यूमन ट्रैफिकिंग, महिला उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, अनुशासन, आत्मरक्षा एवं अभिव्यक्ति ऐप से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। उक्त कार्यक्रम के दौरान जिला साइबर सेल प्रभारी सुश्री ममता केरकेट्टा, थाना प्रभारी पटना संदीप सिंह, महिला सेल प्रभारी कीर्ति तिवारी, महिला पेट्रोलिंग प्रभारी लूना सिंह, महिला आरक्षक नीलम, यातायात से लांस नायक डॉ. महेश मिश्रा, महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य शिव शंकर राजवाड़े, सहायक प्राध्यापक बरखा सिंह, मुख्य लिपिक रोहित साहू, दुर्गावती राजवाड़े,सचिव ग्राम पंचायत पटना रामसकल कुशवाहा, गणमान्य नागरिक नागेश्वर प्रसाद द्विवेदी, ननकू राम गुप्ता सहित काफी संख्या में महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कलेक्टर विजय दयाराम के.ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी हेतु तैयारी को लेकर ली बैठक

-संवाददाता-

बलरामपुर 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार आगामी 01 नवम्बर से 31 जनवरी 2023 तक समर्थन मूल्य में किसानों से धान की खरीदी की जायेगी। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने संयुक्त जिला कार्यालय भवन के सभाकक्ष में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के कार्य को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु नियुक्त नोडल अधिकारियों, समिति प्रबंधकों व डाटा एण्ट्री ऑपरेटरों की संयुक्त बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये, उन्होंने धान खरीदी से जुड़े सभी अधिकारियों से धान खरीदी कार्य को त्रृटिरहित ढ़ंग से सम्पन्न कराते हुए कहा कि इस कार्य में लापरवाही व किसी भी प्रकार की त्रृटि बिल्कुल क्षम्य नहीं होगी।

कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि धान खरीदी के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतते हुए सौंपे गये दायित्वों का सही तरीके से निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि वास्तविक किसानों के वास्तविक रकबे के अनुसार ही धान खरीदी की जाये, धान खरीदी में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी न हो इसके लिए सभी नोडल अधिकारियों को सतत् रूप से उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने जिन समितियों में पीडीएस का बारदाना नहीं पहुंचा है वहां बारदाना पहुंचाना सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिये। उन्होंने खरीदी केन्द्रों में उपलब्ध पंजियों जैसे बेरियर प्रभारी पंजी, फड़ मुंशी पंजी, धान उठाव पंजी, टोकन संधारण पंजी, बारदाना प्रभारी हेतु पंजी सहित अन्य पंजियों का संधारण प्रतिदिन अनिवार्य रूप से करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने लघु व सीमांत किसानों के धान की खरीदी पहले करने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व से अपने स्तर पर नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की बैठक लेकर समय-समय पर धान खरीदी की समीक्षा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समिति प्रबंधकों से खरीदी केन्द्रों में दो-दो आर्द्रता मापी यंत्र, कैप कव्हर की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा तथा खरीदी केन्द्रों में सीसी टीवी की जानकारी लेते हुए सभी केन्द्रों में सीसीटीवी चालू रखने के निर्देश दिये। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को उपार्जन केन्द्रों में संधारित की जाने वाले पंजी व तौल पत्रक में प्रतिदिन हस्ताक्षर करने को कहा तथा नये खरीदी केन्द्रों में पर्याप्त जमीन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये ताकि आवागमन में किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। कलेक्टर श्री दयाराम ने कहा कि धान खरीदी केन्द्रों में धान की बिक्री हेतु आने वाले किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न हो इसके लिए सभी उपार्जन केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने समस्त नोडल अधिकारियों से अपने समितियों में जाकर चेक लिस्ट के अनुसार धान खरीदी की तैयारी करने के निर्देश दिये। बैठक में संयुक्त कलेक्टर श्री आर.एन.पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर व धान खरीदी के जिला नोडल अधिकारी श्री अनमोल विकास टोप्पो, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व वाड्रफनगर श्री दीपक कुमार निकुंज, बलरामपुर श्री भरत कौशिक, राजपुर व शंकरगढ़ श्री शशि चौधरी, कुसमी श्री चेतन साहू, खाद्य अधिकारी श्री शिवेन्द्र काम्ठे, सर्व नोडल अधिकारी समिति प्रबंधक व डाटा एण्ट्री उपस्थित रहे।

छठ महापर्व एवं छठ व्रतियों के लिए पहली बार अच्छी तरह सजकर तैयार हुआ शिवपुर चरचा छठ घाट

» शिवपुर चरचा छठ घाट की सुंदरता की हर तरफ हो रही तारीफ,आकर्षक वाल पेंटिग व लाइटिंग से जगमगा रहा घाट।

» नगरपालिका अध्यक्ष शिवपुर चरचा लालमुनि यादव ने छठ पर्व के पूर्व लिया जायजा।

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

कोरिया जिले के नगरपालिका शिवपुर चरचा का छठ घाट इसबार जिले में सभी के लिए आकर्षक का केंद्र बना हुआ है और यह संभव हो सका है नगरपालिका की महिला अध्यक्ष लालमुनि यादव की इक्षाशक्ति की वजह से जो उन्होंने अपने संकल्प को पूर्ण करने का इरादा ठाना और छठ घाट को आकर्षक बनाने का काम पूरा किया। शिवपुर चरचा नगरपालिका में छठ महापर्व की धूम कुछ अधिक ही देखी जाती है जिले में अन्य जगहों के अपेक्षाकृत और छठ घाट राजनीतिक दलों के लिए भी एक मुद्दा बना रहता है और प्रत्येक दल इस मुद्दे पर कुछ न कुछ घोषणा या सत्ता में रहते छठ घाट को लेकर उसके उन्नति का काम करते रहते हैं लेकिन इसबार की नगरपालिका अध्यक्ष ने छठ घाट को बिल्कुल अलग ही स्वरूप में तैयार कराया है और जो आकर्षक भी है और सुंदर भी।

छठ घाट में वाल पेंटिंग सहित लाइटिंग का जिस तरह से काम हुआ है उससे छठ घाट काफी सुंदर दिखने लगा है और छठ व्रतियों को आकर्षित भी कर रहा है। शिवपुर चरचा नगरपालिका क्षेत्र जो कि कालरी क्षेत्र भी है और जहां उत्तर भारतीयों की संख्या सबसे अधिक है में छठ महापर्व बड़े स्तर पर मनाया जाता है और प्रतिवर्ष छठ व्रत करने वाले श्रद्धालु छठ घाट पर पहुंचकर अस्तांचल सूर्य देव व उदीयमान सूर्य देव को जल अर्पित करते हैं और अपनी अपनी मनोकामना पूरी होने की कामना करते हैं। इस वर्ष छठ महापर्व की शुरुआत 29 अक्टूबर से हो रही है जिस दिन छठ व्रतियों द्वारा नहाय खाय कर छठ व्रत की शुरुआत की जाएगी एवम अस्तांचल सूर्य देव को 30 अक्टूबर को अर्ध्य दिया जाएगा वहीं उदीयमान सूर्य देव को 31 अक्टूबर को अर्ध्य देकर इस महापर्व का समापन हो जाएगा ।

छठ महापर्व का महत्व भी दिनों दिन बढ़ता जा रहा है और छठ व्रतियों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है,इस पर्व को लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पहले जहां कुछ सीमित नदी तालाबों के तटों तक ही यह पूरा पर्व आयोजन संपन्न हो जाया करता था वहीं अब जगह जगह नदी और तालाबों के तट पर छठ करने वाले श्रद्धालु छठ महापर्व के दौरान देखे जा सकते हैं। शिवपुर चरचा छठ घाट की ही बात की जाए तो पहले यहां कम क्षेत्र में ही छठ व्रतियों के लिए जगह हो जाया करती थी वहीं अब लगातार घाटों का निर्माण होने के बावजूद भी जगह कम पड़ जाती है। वर्तमान अध्यक्ष लालमुनि यादव ने इसबार जिस लगन एवम मेहनत से छठ व्रतियों के लिए छठ घाट का निर्माण कराया है उसे देखकर कहा जा सकता है कि उन्होंने छठ व्रतियों की सुविधाओं का पूरा ख्याल रखा है और उनकी व्यवस्था जो अनवरत अभी जारी है उससे छठ व्रत करने वाले परिवार भी प्रसन्न हैं।

स्वच्छ भारत
CLEAN INDIA

CLEAN INDIA

5 ब्लाकों में 5 दिन चलेगा स्वच्छता अभियान

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

नेहरू युवा केंद्र और यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में पांच दिवसीय 27 से 31 अक्टूबर तक स्वच्छता अभियान कार्यक्रम चलाया जाएगा, यह कार्यक्रम कोरिया जिले के पांचों विकासखंड के नेहरू युवा केंद्र के राष्टीय स्वयंसेवकों द्वारा चयनित 10-10 ग्रामों, कुल 50 ग्रामों में निर्धारित किया गया है, नेहरू युवा केंद्र के जिला अधिकारी पवन कुमार ने बताया की स्वच्छता अभियान कार्यक्रम तमाम युवा वर्ग में एक नई चेतना जागृत करेगा साथ ही उन चयनित गांव में समस्त ग्राम वासियों को स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए प्रेरित और प्रोत्साहित करना लक्ष्य बनाया गया है।

मानिकपुर में चल रहा भू विस्थापितों का आंदोलन स्थगित

प्रबंधन का वादा:मिलेगा भू विस्थापितों को रोजगार

-संवाददाता-

कोरबा, 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

एसईसीएल की मानिकपुर खदान पर आंदोलन का साया मंडराने लगा कॉल परिवहन प्रभावित हो जाने के बाद प्रबंधन ने भू विस्थापितों के सामने घुटने टेके और वादा किया कि प्रत्येक परिवार के एक पात्र व्यक्ति को नौकरी दी जाएगी मानिकपुर खदान के कॉल साइडिंग पर धरने पर बैठ गए खदान से प्रभावित 7 गांव के लोगों के समक्ष मानिकपुर खदान प्रबंधन को घुटने टेकने पड़े. उप महाप्रबंधक अजय तिवारी धरना स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों से चर्चा किया. नौकरी समेत तमाम अन्य मुद्दों पर चर्चा के पश्चात अजय तिवारी ने बताया की भू स्थापित परिवारों के एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी. गौरतलब है मानिकपुर खदान के आसपास निवासरत 7 गांव के लोगों ने पहले शुक्रवार को और फिर शनिवार को कॉल साइडिंग पर धरना दिया द्ध कॉल परिवहन प्रभावित होने के कारण प्रबंधकों में हड़कंप मच गया. शनिवार को 10:00 बजे से लेकर दोपहर 2:00 बजे तक कॉल परिवहन प्रभावित होने से एसईसीएल को आर्थिक क्षति का सामना करना पड़ा. बहर हाल भू विस्थापितों से नौकरी देने का वादा तो कर दिया गया है द्य देखना है कि वादे पर अमल होता भी है या नहीं ।

क्या सारी जिम्मेदारी एक ही डिप्टी कलेक्टर के कंधे पर देना सही ?

» डिप्टी कलेक्टर का कंधा कितना मजबूत की सारी जिम्मेदारी लेने को तैयार ?

» अपर कलेक्टर के प्रभार के साथ ही मिला एसडीएम का पद,जिले में डिप्टी कलेक्टर व संयुक्त कलेक्टर की कमी नही।

» जिले में 8 संयुक्त व डिप्टी कलेक्टर, एक ही संयुक्त कलेक्टर पर जिला प्रशासन क्यों मेहरबान ?

» संयुक्त कलेक्टर को अपर कलेक्टर के साथ ही एसडीएम खगवां का भी प्रभार कैसे संभालेगी सारी जिम्मेदारियां एक साथ ?

» नवीन जिला एमसीबी के खड़गवां एसडीएम का प्रभार संयुक्त कलेक्टर को मिलते ही राजनीति शुरू उत्पन्न हुआ कहासुनी का दौर।

-रवि सिंह-

बैकुण्ठपुर/मनेन्द्रगढ़ 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

नवीन जिले एमसीबी भी पूर्व कोरिया जिले के जैसा ही प्रशासनिक कसावट की दृष्टि से दिखने लगा है यहां पर भी प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल उठने लगे सवाल इस पर बड़ा इसलिए क्योंकि 8 डिप्टी कलेक्टर होने के बावजूद एक ही डिप्टी कलेक्टर को ज्यादा प्रभार को देना आखिर क्यों जरूरी है? किसी अधिकारी के ऊपर ज्यादा काम का बोझ डालना भी उस के लिए समस्या बन सकता है फिर भी ज्यादा से ज्यादा जिम्मेदारी देकर एक ही अधिकारी पर काम का बोझ बढ़ाया जा रहा है, बाकी डिप्टी कलेक्टर कैसे वेतन लेने के लिए बैठे हैं? क्या बाकी डिप्टी कलेक्टर अधिकारियों को काम नहीं आता? क्या वह दिखावे के लिए जिले में सिर्फ गिनती गिना रहे हैं? आखिर जिस डिप्टी कलेक्टर को ज्यादा प्रभाव ज्यादा जिम्मेदारी दिया जा रहा है आखिर उस अधिकारी का कंधा कितना मजबूत है कि सारे जिम्मेदारियों को उठाने के लिए तैयार है? क्या इतने ज्यादा जवाबदारी पर उस अधिकारी से गलती होने की गुंजाइश नहीं होगी? यदि गलती होगी तो उसके जिम्मेदार कौन होगा? आखिर इतने जिम्मेदारी व बोझ के तले वह अधिकारी कैसे काम करेगा?

ज्ञात हो की सरकार ने लोगो तक प्रशासन की पहुंच सुगम व सुलभता से पहुंचने के लिए नए जिले तो बनाये लेकिन अपने चहेते को लाभ दिलाने के लिए नवगठित जिले मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर के कलेक्टर पीएस ध्रुव ने जिले की एक संयुक्त कलेक्टर पर ऐसी कृपा बरसाई की उसे अपर कलेक्टर और एसडीएम का भी प्रभार दे दिया। जबकि जिले में संयुक्त कलेक्टर और डिप्टी कलेक्टर की कमी नही थी। कलेक्टर मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर ने दो दिन पूर्व जिले के अधिकारियों का कार्य विभाजन किया जिसमें संयुक्त कलेक्टर को अपर कलेक्टर के साथ ही खड़गवां विकासखंड का अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) भी बना दिया। जबकि अन्य संयुक्त और डिप्टी कलेक्टर को कलेक्ट्रेट के कई विभागों के कामकाज सौंप दिये। जबकि डिप्टी कलेक्टर या संयुक्त कलेक्टर को एसडीएम का कार्यभार सौंपा जा सकता था।

मेहरबानी या मजबूरी

जिस संयुक्त कलेक्टर को अपर कलेक्टर के साथ ही एसडीएम का भी पदभार सौंपा गया है यह मेहरबानी या मज़बूरी? जिन्हें यह पदभार सौपा गया उनका विवादों से गहरा नाता रहा है। एसडीएम रहने के दौरान ग्रामीण अंचलों में जाति प्रमाण पत्र बनाए जाने हेतु लगाए शिविर का निरीक्षण करने जब मनेंद्रगढ़ ब्लॉक के बिहारपुर हाई स्कूल में एसडीएम पहुंची तो वहां जाति प्रमाण पत्र बनाने के शिविर में लगे कार्यों की सराहना करने की बजाय शिक्षकों से दुर्व्यवहार करते हुए अमर्यादित शब्द कहने पर उतर आई। इतना ही नहीं एसडीएम ने वहां मौजूद बीईओ को जमकर फटकार भी लगाई और शिक्षकों से यह तक कह डाला की 2 साल से बैठकर हराम की तनख्वाह खा रहे हो आंगनबाड़ी के कर्मचरियों से भी गए बीते हो। शिक्षकों के साथ इस तरह की भाषा शैली से वार्तालाप करना शिक्षकों को नागवार गुजरा और शिक्षकों ने अब एसडीएम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था।

8 की पदस्थापना के बावजूद एक को ही दो प्रभार क्यों ?

गौरतलब है नवगठित जिला मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर में 8 डिप्टी व संयुक्त कलेक्टर की पदस्थापना है इसके बाद भी एक महिला संयुक्त कलेक्टर को अपर कलेक्टर का प्रभार देने के साथ ही एसडीएम खड़गवां का पद देने से यही लगता है कि जिला प्रशासन से इन पर कृपा बरस रही है।

नवीन जिले में 8 डिप्टी और संयुक्त कलेक्टर की है पदस्थापना

अभिषेक कुमार, आईएएस नयनतारा सिंह तोमर, संयुक्त कलेक्टर अभिलाषा पैकरा, संयुक्त कलेक्टर सी एस पैकरा, डिप्टी कलेक्टर प्रवीण कुमार भगत, डिप्टी कलेक्टर मूलचंद चोपड़ा, डिप्टी कलेक्टर बहादुर सिंह मरकाम, डिप्टी कलेक्टर प्रीतेश सिंह राजपूत, डिप्टी कलेक्टर।

> किसी को भी प्रभार देना मेरे अधिकार क्षेत्र में है, मैंने सही प्रभार दिया है, इसमें कोई गलत नही है, कलेक्टर होने के नाते मैं प्रभार दे सकता हूँ जिला चलाना है पूरा।
>
> **पीएस ध्रूव**
> कलेक्टर

देव धर्म यज्ञ दिवस पर आयोजित विशाल भंडारा में

उपस्थित होने जिपं उपाध्यक्ष को मिला निमंत्रण

मध्य प्रदेश के इंदौर में तीन दिवसीय आयोजित कार्यक्रम में कोरिया से शामिल होंगे श्रद्धालु

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

दिव्य धर्म यज्ञ दिवस के उपलक्ष्य में संत कबीर दास महाराज की अमरवाणी व अखण्ड पाठ का तीन दिवसीय आयोजन मध्य प्रदेश के इंदौर में किया जा रहा है जिसमे कोरिया से भी श्रद्धालु शामिल होंगे जिसके लिए अनुयायियों के आमंत्रण पत्र श्रद्धालुओं को बांटा गया है और पहुंचने का आग्रह किया गया।

अनुयायी रामेश्वर मिंज ने बतया की जीव हमारी जाति है, मानव धर्म हमारा हिन्दू मुस्लिम शिक्ख ईसाई धर्म नहीं कोई न्यारा, संवत 1570 (सन 1513) में काशी (बनारस) में परमेश्वर कबीर साहेब जी तीन दिन का जो अखण्ड भण्डारा दिया था उसी शुभ दिन के उपलक्ष्य में संत रामपाल जी महाराज जी के सानिध्य में ÷दिव्य धर्म यज्ञ दिवस% के रूप में मनाया जा रहा है, जिसमें संत गरीब दास जी महाराज की अमृत वाणी के ÷अमर ग्रंथ के अखण्ड पाठ का आयोजन किया जा रहा है, इस अवसर पर विशाल भण्डारा, दहेज मुक्त विवाह, रक्तदान शिविर तथा निःशुल्क नाम दीक्षा होगी। यह कार्यक्रम तीन दिवसीय है जो 7 नवम्बर प्रातः 8 बजे से 9 नवम्बर सायं तक चलेगा, यह आयोजन स्थान सतलोक आश्रम, किठोदा इन्दौर (म.प्र.) जो ग्राम- किठोदा, उज्जैन इन्दौर मुख्य मार्ग पर स्थित है इस कार्यक्रम में पहुंचने के लिए उनके अनुयायियों द्वारा कोरिया जिले में घूम घूम कर सभी को निमंत्रण बांटा जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में लोग उपस्थित हो एक अच्छे ज्ञान को एकत्रित करें जिनकी श्रद्धा इन पर है वह जरूर पहुंचे, अनुयायियों द्वारा जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी को भी आमंत्रण पत्र देकर इस तीन दिवसीय कार्यक्रम में उपस्थित होने व कार्यक्रम का हिस्सा बनने का अनुरोध किया गया है। आमंत्रण के साथ लेखक संत रामपाल दास शिष्य के द्वारा लिखी किताब ÷जीने की राह÷ भेंट की और पढ़ने का आग्रह किया।

सेन्दुर व कन्हर नदी का निरीक्षण किया गया

-संवाददाता-

रामानुजगंज 29अक्टूबर2022 (घटती घटना)।

लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को लेकर आयोजित जिले के सिंदूर नदी एवं कन्हर में होने वाले आयोजन को लेकर जिले के कलेक्टर एवं एसपी ने तैयारियों एवं सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। मौके पर उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों से चर्चा उपरांत हर संभव मदद करने के लिए निर्देशित करते हुए उन्होंने छठ घाटों पर स्वास्थ्य विभाग की एक-एक टीम तैनात करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि छठ पर्व पर श्रद्धालुओं की भी के मद्देनजर व्रती महिलाओं के बैठने की व्यवस्था करने, छठ घाट की साफ-सफाई तथा लोक निर्माण विभाग को बेरीकेटस लगाने के निर्देश दिये। वहीं पुलिस अधीक्षक ने पुलिस अधिकारियों को बलरामपुर व रामानुजगंज के छठ घाट पर पुलिस सहायता केन्द्र स्थापित करने तथा पर्याप्त संख्या में पुरुष व महिला पुलिस बल तथा गोताखोरों की टीम लगाना सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने यातायात प्रभारी से पार्किंग व्यवस्था की जानकारी लेते हुए, पार्किंग की व्यवस्था उचित स्थान में करने के निर्देश दिये।

चाकूबाजी मामले में युवकों के विरुद्ध कोतवाली पुलिस ने की सख्त कार्यवाही

-संवाददाता-

कोरबा, 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

प्रार्थी तौफीक अहमद निवासी राताखार कोरबा का थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया की दिनांक 28.10. 2022 के रात्रि करीबन 9꞉00 पटाखा फोड़ने के नाम पर विवाद के चलते मोहम्मद सफरुद्दीन, मोहम्मद सीफत, मोहम्मद अजहरुद्दीन एवं अनवर अली एक राय होकर इसके भाई मोहम्मद आसिफ को जान से मारने की नियत से धारदार चाकू से हमला कर दिया जिसकी रिपोर्ट पर थाना कोतवाली कोरबा में धारा 307,294,34 भा.वि.वि. कायम किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए हालात से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कोरबा संतोष सिंह ने तत्काल आरोपियों को गिरफ्तार कर कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। मामले में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोरबा अभिषेक वर्मा एवं नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा विश्व दीपक त्रिपाठी से मार्गदर्शन प्राप्त कर नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व मे आरोपियों की पता चला हेतु पुलिस टीम गठित किया गया। कोतवाली पुलिस द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए उपरोक्त सभी आरोपियों को उसके घर राताखार से घेराबंदी कर पकड़द्ध गया एव आरोपियों से घटना में प्रयुक्त एक सब्जी काटने का चाकू तथा एक लोहे के राड को भी जप्त किया गया है। उक्त सभी आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है।उपरोक्त कार्यवाही में नगर निरीक्षक रूपक शर्मा के नेतृत्व में सहायक उपनिरीक्षक साहूकार खांडेकर, आरक्षक अरुण तिर्की, नवरतन सिदार की सराहनीय भूमिका रही।

महापर्व छठ के आने पर श्रद्धालुओं में उत्साह

-उपेश सिन्हा-

कुसमी 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड जो कि झारखंड राज्य के सीमा से लगा हुआ है और विकासखंड मुख्यालय कुसमी में भी छठ महापर्व उत्साह के साथ मनाया जा रहा है वैसे तो छठ पर्व की शुरुवात इसबार शुक्रवार नहान खान से हो चुकी है आज शनिवार के दिन छठ करने वाले श्रद्धालुओं के घरों में खड़ना प्रसाद बनाया गया जिससे व्रत करने वाले श्रद्धालु खायेगे और अपने रिश्तेदार जान पहचान वाले लोगो को भी खिलायेंगे, फिर दुसरे दिन रविवार निर्जला उपवास रखकर शाम को डुबते हुये सूर्य भगवान का अर्घ्य दिया जायेगा वही तीसरे दिन यानी सोमवार के दिन भगवान को सुबह सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जायेगा फिर हवन पूजन के बाद प्रसाद वितरण के साथ श्रदालु वर्ग अपना निर्जला उपवास खत्म करेंगे,कुसमी की बात की जाये तो यहाँ पर छठ महापर्व देखते देखते हि हर वर्ष बढ़ता ही जा रहा है लोगो मे छठ पर्व के प्रति आस्था गहरी होती जा रही है यानी यह कह सकते है कि इस पर्व का मानने वाले लोगो की संख्या हर वर्ष बढ़ रही है एक समय था जब कुसमी छठ घाट पर कुछ श्रद्धालुओं ने ही इस महापर्व की शुरूआत की थी वही आज के समय कुसमी में तीन छठ घाट है और तीन छठ घाटों में काफी संख्या में लोग छठ पर्व मानने के लिये पहुँचते है,लोगो की आस्था का यह महापर्व खुशहाली के साथ मने इसे लेकर शासन प्रशासन के लोग भी श्रद्धालुओं का साथ दे रहे है अपनी ओर से छठ घाट की साफ सफाई से लेकर टेंट पंडाल पीने के लिये पानी की सुविधा मुहैया प्रशासन के द्वारा कराया गया है ,वही पुलिस विभाग भी हर छठ घाट में पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाया है, जिससे कि सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था छठ घाट में बने रहे ताकि श्रद्धालु लोग यह महापर्व उत्साह के साथ मना सके।

कलेक्टर,एसपी,जिपं सीईओ ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर 29 अक्टूबर 2022 (घटती-घटना)।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिला कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में खरीफ विपणन वर्ष 2022-23 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा हेतु खाद्य, मार्कफेड और सहकारिता विभाग के अधिकारियों तथा सभी समिति प्रबंधकों की बैठक ली। उन्होंने समिति प्रबंधकों को निर्देशित करते हुए कहा कि धान खरीदी केन्द्रों में किसानों की सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए। इसी कड़ी में आज शुक्रवार को कलेक्टर स्वयं तैयारियों का जायजा लेने जामपारा और कटगोड़ी के धान खरीदी केंद्रों में पहुंचे। उन्होंने किसानों के जरूरत के अनुसार पर्याप्त पानी की व्यवस्था, लाइट व्यवस्था, शौचालय, आर्द्रतामापी मशीन, स्टैकिंग व्यवस्था की तैयारी सुनिश्चित करने कहा। उन्होंने धान खरीदी में लघु सीमांत किसानों को प्रथमिकता देते हुए खरीदी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सख्त निर्देशित करते हुए कहा कि कोचियों, बिचौलियों के माध्यम से अवैध धान की आवक पर रोक लगाएं। धान खरीदी शासन की प्राथमिकता है। इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बारदानों की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित कराने तथा धान खरीदी से संबंधित समस्त जानकारी और शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु वॉल पेंटिंग किए जाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निरीक्षण के दौरान समिति प्रबंधकों से किसानों के पंजीयन, चबूतरों की स्थिति, टोकन व्यवस्था आदि की विस्तृत जानकारी ली तथा सुरक्षा हेतु केन्द्रों में घेराव के साथ ही सुरक्षा गार्ड की व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

छठ महापर्व पर बेहतर व्यवस्था के लिए कलेक्टर, एसपी, सीईओ ने छठ घाटों का किया निरीक्षण- कलेक्टर श्री लंगेह ने आज एसपी श्री त्रिलोक बंसल तथा जिला पंचायत सीईओ श्रीमती नम्रता जैन के साथ छठ महापर्व के अवसर पर लोगों की सुविधा हेतु बेहतर व्यवस्था बनाने छठ घाटों में तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने बैकुण्ठपुर और चरचा स्थित छठ घाट के निरीक्षण के दौरान एसडीएम बैकुंठपुर और मुख्य नगर पालिका अधिकारी बैकुंठपुर एवं चरचा को छठ घाटों में रोशनी, पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था किए जाने के निर्देश दिए, उन्होंने कहा कि घाटों में श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की समस्या न हो। सुरक्षा की पर्याप्त व्यवस्था हो, इस हेतु वोलेंटियर नियुक्त करें, असुविधा से बचाव हेतु वाहन पार्किंग की अच्छी व्यवस्था हो।

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर
जिला-सूरजपुर ,छ0ग0

रा.प्र.क्र.../ब-121/2020-21

ईश्तहार

आवेदक का नाम श्रुमराती अल्ली आ0 स्व0 श्री यार अल्ली जाति मुसलमान निवासी ग्राम मानपुर प0ह0नं0-12 तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर छ0ग0 ने अपने पत्नी हसीन दुलारी मृत्यु/जन्म दिनांक 11/08/2016 का मृत्यु/जन्म प्रमाण पत्र बनाने हेतू आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो दिनांक 07/11/2022 को समय 11:00 बजे इस न्यायालय में अपना स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर आपत्ति दावा प्रस्तुत कर सकता है। नियत तिथि के बाद प्राप्त आपत्ति दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दनांक 14/10/2022 को जारी।

सील

संजय कुमार -राठौर
तहसीलदार सूरजपुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय में
मामला क्रमांकः
202210020700195

विषयः-ब-121 मामले की श्रेणी-राजस्व
सनः- 2022-2023
माझापारा प.ह.न. 00026 (हे0)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार-रूपसाय,
अनावेदक पक्षकार- छ0ग0 शासन,

ईश्तहार

आवेदक रूपसाय आ0 महंगू निवासी ग्राम रामपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा ग्राम माझापारा, तहसील अम्बिकापुर, स्थित खसरा नंबर 192/3, 192/4, 202, 290/6, कुल प्लाट 4 कुल रकबा 0.521 हे0 भूमि का ऋण पुस्तिका गुम हो जाने के कारण द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्रदान किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है । उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 16/11/2022 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 27/10/2022 को जारी किया जाता है।

सील

तहसील
सरगुजा (अम्बिकापुर)

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पर्थ के मैदान पर उतरेगा भारत

तेज और उछाल वाली पिच पर भारतीय शीर्ष क्रम की होगी कड़ी परीक्षा

भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 30 अक्तूबर को पर्थ की पिच पर मुकाबला खेला जाना है। टी20 विश्वकप के इस अहम मैच में भारत के शीर्ष बल्लेबाजों को चुनौती का सामना करना पड़ेगा। इस मैच में बल्लेबाजों को कैगिसो रबाडा और एनरिक नोर्किया जैसे तेज गेंदबाजों का सामना करना है।

पर्थ ,29 अक्टूबर 2022। भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले टी20 विश्वकप मैच में तेज और उछाल भरी पिच पर कैगिसो रबाडा और एनरिक नोर्किया जैसे तेज गेंदबाजों के सामने कड़ी परीक्षा देनी होगी। यह मैच संभवत~ सुपर 12 के ग्रुप 2 से चोटी पर रहने वाली टीम और भारत के सेमीफाइनल का मैच स्थल तय करेगा। वाका कई दशकों तक पर्थ में पारंपरिक मैच स्थल रहा है लेकिन अब मैच नवनिर्मित ऑप्टस स्टेडियम में खेले जाते हैं। स्टेडियम भले ही बदल गया हो लेकिन पिच का व्यवहार नहीं बदला है।

यहां की पिच में भी तेजी और उछाल है जिससे बल्लेबाजों को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है। ऐसे में विश्व के दो खतरनाक तेज गेंदबाजों रबाडा और नोर्किया के सामने रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव की कड़ी परीक्षा होगी। रबाडा 145 किमी की रफ्तार से गेंद को स्विंग कराने में माहिर हैं जबकि नोर्किया 150 किमी की रफ्तार से गेंद कराते हैं। ऐसे में इन दोनों गेंदबाजों का सामना करने के लिए पावरप्ले के ओवरों में हाथ और आंख का तालमेल महत्वपूर्ण होगा।

पिच से मिलने वाली अतिरिक्त उछाल के कारण बल्लेबाजों के पास शॉट खेलने के लिए समय कम होगा और यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय बल्लेबाज ऐसी परिस्थितियों में कैसा रवैया अपनाते हैं। परिस्थितियों को देखते हुए रोहित के साथ पारी का आगाज करने के लिए ऋषभ पंत अच्छा विकल्प होता लेकिन माना जा रहा है की मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अभी खराब फॉर्म में चल रहे केएल राहुल को अंतिम एकादश में बनाए रखना चाहते हैं। पंत को दिनेश कार्तिक की जगह भी अंतिम एकादश में रखने का विकल्प है। कार्तिक की विकेटकीपिंग पहले दो मैचों में अपेक्षानुरूप नहीं रही थी। नीदरलैंड के खिलाफ मैच से यह अनुमान लगाना मुश्किल है कि भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका का सामना करने के लिए कितनी तैयार है।

टीम में बदलाव करेंगे रोहित शर्मा

पर्थ की पिच पर माना जा रहा है कि रोहित शर्मा टीम में बदलाव कर सकते हैं। पिछले दोनों ही मुकाबलों में भारतीय टीम एक जैसी रही थी। भारत दो स्पिन गेंदबाज और तीन तेज गेंदबाजों के साथ मैदान पर उतर रहा था। इसके अलावा हार्दिक पांड्या ऑलराउंडर की भूमिका में थे। हालांकि, भारत में भारतीय टीम चार तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। पांचवे स्पिनर की भूमिका में अक्षर पटेल या फिर यूज़वेंद्र चहल हो सकते हैं। अक्षर पटेल के टीम में रहने से बैटिंग ऑर्डर भी मजबूत दिखाई दे सकती हैं। भारत के लिए सबसे बड़ा सवाल अभी केएल राहुल का फॉर्म भी है। केएल राहुल अब तक दोनों ही मुकाबलों में कुछ खास कमाल नहीं कर सके। ऐसे में देखना होगा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ उनका बल्ला कैसा चलता है। माना जा रहा है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दिनेश कार्तिक की जगह ऋषभ पंत को भी मौका दिया जा सकता है। कार्तिक की विकेटकीपिंग पहले दो मैचों में अपेक्षा के अनुरूप नहीं रही है।

इन दोनों टीम के बीच पिछली श्रृंखला भारत की कम उछाल वाली पिचों पर खेली गई थी जो कि बल्लेबाजों के लिए अनुकूल थी। जहां तक दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी संयोजन की बात है तो फिर अगर वह बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर तबरेज शम्सी को बाहर रखते हैं तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। उनकी जगह मार्को जानसेन या लुंगी एनगिडी को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। भारतीय बल्लेबाजों ने पूर्व में शम्सी को सहजता से खेला है तथा ऑप्टस स्टेडियम में ओवर गति बनाए रखने के लिए ही दो स्पिनर रखे जा सकते हैं। विजयी संयोजन को बनाए रखना लाजमी है लेकिन दक्षिण अफ्रीका की टीम में बाएं हाथ के तीन बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक, रिली रोसो और डेविड मिलर हैं जो अक्षर पटेल को सहजता से खेल सकते हैं।

अक्षर का बाएं हाथ के बल्लेबाजों के सामने इकोनॉमी रेट नौ रन प्रति ओवर के करीब है। यदि भारत अक्षर की जगह युजवेंद्र चहल को अंतिम एकादश में नहीं रखता है तो फिर हार्दिक पंड्या को अपने चारों ओवर करने पड़ सकते हैं। अक्षर टीम में पंत के अलावा बाएं हाथ के अन्य बल्लेबाज हैं जिससे उनका मामला मजबूत बनता है। दक्षिण अफ्रीका के लिए शीर्ष क्रम में एकमात्र चिंता कप्तान तेंबा बावुमा की लचर फॉर्म है, जिनका खेल टी20 के अनुकूल नहीं है। उसके पास हालांकि ट्रिस्टन स्टब्स और रोसो के रूप में दो आकर्षक बल्लेबाज हैं जो कि भारतीय गेंदबाजों पर हावी होकर खेल सकते हैं। भारतीय गेंदबाजों में अभी केवल मोहम्मद शमी ही 140 किमी की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं।

रोसो लगातार मैचों शतक लगाने के बाद इस मैच में उतरेंगे और वह भारतीय गेंदबाजों के लिए सबसे बड़ा खतरा होंगे। भारत यदि रविवार को दक्षिण अफ्रीका को हरा देता है और उसके बाद बांग्लादेश और जिंबाब्वे पर भी जीत दर्ज करता है तो उसका सेमीफाइनल का मैच स्थल एडिलेड होगा। इस ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली टीम 10 नवंबर को एडिलेड में सेमीफाइनल खेलेगी जबकि दूसरे नंबर की टीम को सिडनी में सेमीफाइनल खेलना होगा।

टीम इस प्रकार है~ भारत~ रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, हार्दिक पंड्या, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), ऋषभ पंत (विकेटकीपर), युजवेंद्र चहल, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, हर्षल पटेल, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, दीपक हुड्डा। दक्षिण अफ्रीका~ तेम्बा बावुमा (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, रिली रोसो, ट्रिस्टन स्टब्स, कैगिसो रबाडा, वेन पार्नेल, केशव महाराज, तबरेज शम्सी, मार्को जानसेन, एनरिक नोर्किया, रीज़ा हेंड्रिक्स , हेनरिक क्लासेन, लुंगी एनगिडी। मैच भारतीय समयानुसार दोपहर बाद चार बजकर 30 मिनट पर शुरू होगा।

जमशेदपुर की नजरें पहली जीत पर

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने हारे हैं अभी तक तीनों मुकाबले

जमशेदपुर , 29 अक्टूबर 2022। जमशेदपुर एफसी रविवार, 30 अक्टूबर को अपने घरेलू समर्थकों के सामने हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2022-23 में पहली जीत की तलाश में उतरेगी, जब वो अपने घरेलू मैदान जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी का सामना करेगी। हीरो आईएसएल 2020-21 लीग विजेता वर्तमान सीजन में खेले दो मैचों में जीत से दूर रहा हैं, जबकि हाइलैंडर्स इस सीजन में अब तक अपने तीनों मुकाबले हार चुके हैं।

जमशेदपुर एफसी ने घरेलू मैदान पर अपने 27 मैचों में से सिर्फ आठ मैच गंवाए हैं। उन्होंने अब तक अन्य 19 मैचों में से ग्यारह जीते हैं और आठ ड्रा खेले हैं। इसके अतिरिक्त, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी इस स्टेडियम में हीरो आईएसएल का कोई भी मैच नहीं जीता है। हाइलैंडर्स ने यहां अपने खेले तीन मैचों में से दो ड्रा किए हैं और उसे एक में हार का सामना करना पड़ा है।

रेड माइनर्स ओडिशा एफसी के खिलाफ अपने पहले मैच में नाटकीय बदलाव के बाद मनमाफिक परिणाम नहीं पा सके थे। अपने दूसरे मुकाबले में, उन्हें मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ ड्रा खेलकर एक अंक से संतोष करना पड़ा। पिछले दो मैचों में, जमशेदपुर ने एफसी गेंद पर नियंत्रण का औसत 38.5त्न के साथ समाप्त किया, जो उनके विरोधियों से भी कम है। इस मामले में हाइलैंडर्स का औसत तीन मैचों में 50त्न रहा है। जेएफसी के मुख्य कोच ऐडी बूथ्रोयड ने पिछले मैच में 4-3-3 की टीम फॉर्मेशन से पारंपरिक 4-4-2 पर स्विच किया। टीम के सबसे प्रमुख सेंटर बैक पीटर हार्टले मुम्बई सिटी एफसी के खिलाफ उपलब्ध नहीं थे। लिहाजा प्रतीक चौधरी को डिफेंस में उनकी जगह लेनी पड़ी थी। इस बदलाव ने बूथरॉयड को टीम में एक विदेशी खिलाड़ी को जोड़ने की अनुमति दी और उन्होंने डेनियल चुक्कु के साथ स्ट्राइकर हैरी सॉयर को तैनात किया था। चुक्कु ने दो मैचों में दो गोल किए हैं और वह आगामी मैच में अहम होंगे।

बूथरोयड ने कहा, ÷तैयारी वास्तव में अच्छी रही है। खिलाड़ी अच्छी मनोदशा में हैं, कड़ी मेहनत कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं। पूरी टीम आगे जाना चाहती है और कुछ मुकाबले हासिल करना चाहती है। हमने सीजन शुरू किया था, दस दिन का ब्रेक लिया, और हमें इसे फिर से शुरू करना पड़ा। इसलिए हम कल के मुकाबले के लिए तैयार हैं।÷ उन्होंने कहा, ÷यह एक अच्छा मैच होना चाहिए और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारा घरेलू रिकॉर्ड मजबूत बना रहे।÷

उधर, हाइलैंडर्स ने अपने पिछले 16 हीरो आईएसएल मैचों में सिर्फ एक जीत हासिल की है। आखिरी बार उन्होंने एक मुकाबला जीता था, जब उन्होंने पिछले सीजन में बेंगलुरू एफसी को 2-1 से हराया था। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने लीग में लगातार चार शुरुआती मैच कभी नहीं गंवाए हैं। पिछली बार वे 2015 में लगातार तीन शुरुआती गेम हारे थे, हालांकि उन्होंने उस सीजन में चौथे मैच में जीत हासिल की थी।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के मुख्य कोच मार्को बलबुल उम्मीद कर रहे होंगे कि रेड माइनर्स के खिलाफ इतिहास को दोहराया जाएगा। ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ अपने पिछले मैच में, हाइलैंडर्स ने 18 शॉट्स का प्रयास किया। केवल तीन निशाने पर थे। बलबुल को उम्मीद होगा कि उनकी आक्रामक तिकड़ी मैदान के फाइनल थर्ड में अपने सामने आने वाले अवसरों को गोल में तब्दील करेगी।

अब तक बलबुल ने 4-3-3 की टीम फॉर्मेशन तैनात की है। तीनों मैचों में, उन्होंने दाहिने फ्लैंक पर एक नया खिलाड़ी उतारा है। बीएफसी के खिलाफ पहले मैच में एमिल बेनी ने राइट फ्लैंक पर शुरुआत की थी। युवा खिलाड़ी पार्थिब गोगोई ने एचएफसी के खिलाफ दूसरे मैच में बेनी की जगह ली थी। ईस्ट बंगाल एफसी के खिलाफ पिछले मैच में रोचरजेला को इस पोजीशन पर उतारा गया था।

स्ट्राइकर क्लेटन सिल्वा और जितिन एम.एस ने अब तक हर मैच में शुरुआत की है। बलबुल के अपने तयशुदा फॉर्मेशन पर टिके रहने की संभावना है। यह देखना दिलचस्प होगा कि इस बार हश्वस्रष्ट के मुख्य कोच दाहिने फ्लैंक के लिए किसे चुनते हैं।

बलबुल ने कहा, हम अब तक के परिणामों से निराश और असंतुष्ट हैं। हमने तीन मैचों से शून्य अंक पाने की उम्मीद नहीं थी। हमें डिफेंस में बेहतर होना चाहिए, गलतियों से बचना चाहिए और कोशिश करनी चाहिए कि हम गोल न खाएं। आक्रमण के दौरान, हमें मैदान के फाइनल थर्ड में अधिक कुशल होना चाहिए।

उन्होंने कहा, हम इन पहलुओं में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और अपना पहला अंक हासिल करने के लिए कल पिच पर उतरना चाहते हैं।÷

हीरो आईएसएल में दोनों टीमें दस बार आमने-सामने हो चुकी हैं। इनमें से आधे मैच ड्रॉ पर खत्म हुए हैं। रेड माइनर्स ने चार जीते हैं जबकि हाइलैंडर्स ने सिर्फ एक जीता है। मेजबान टीम ने पिछले सीजन में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के खिलाफ दोहरी जीत हासिल की थी।

CONWAY
88
NEW ZEALAND
MITCHELL
75

एक और धमाकेदार जीत से न्यूजीलैंड की सेमीफाइनल की राह मजबूत, श्रीलंका को 65 रनों से हराया

मेलबर्न, 29 अक्टूबर 2022। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने एक और धमाकेदार जीत के साथ सेमीफाइनल की ओर मजूबती से अपने कदम बढ़ा दिए हैं। कीवियों ने पहले ही मेजबान ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपना आगाज शानदार किया और आज के मुकाबले में श्रीलंका को आसानी से मात देकर बढ़िया तरीके से खुद को वर्ल्ड कप में पेश किया है। न्यूजीलैंड अब तक एक भी मुकाबला हारी नही है और उनका एक मैच बारिश ने रद्द कर दिया था। दूसरी ओर ये श्रीलंका टीम की तीन मैचों में दूसरी हार है। एक मैच उन्होंने जीता था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम ने एक और धमाकेदार जीत के साथ सेमीफाइनल की ओर मजूबती से अपने कदम बढ़ा दिए हैं। कीवियों ने पहले ही मेजबान ऑस्ट्रेलिया को हराकर अपना आगाज शानदार किया और आज के मुकाबले में श्रीलंका को आसानी से मात देकर बढ़िया तरीके से खुद को वर्ल्ड कप में पेश किया है। न्यूजीलैंड अब तक एक भी मुकाबला हारी नही है और उनका एक मैच बारिश ने रद्द कर दिया था। दूसरी ओर ये श्रीलंका टीम की तीन मैचों में दूसरी हार है। एक मैच उन्होंने जीता था।बाकी बल्लेबाजों में डेरिल मिशेल ही 24 गेंदों पर 22 रनों का योगदान दे सके। मिशेल सैंटनर ने 5 गेंदों पर 11 रनो का योगदान दिया। बाकी बल्लेबाजों में डेरिल मिशेल ही 24 गेंदों पर 22 रनों का योगदान दे सके। मिशेल सैंटनर ने 5 गेंदों पर 11 रनो का योगदान दिया। कीवी गेंदबाजी में ट्रेंट बोल्ट टॉप पर रहे जिन्होंने चार ओवर में 13 रन देकर 4 विकेट लिए। मिशेल सेंटनर ने चार ओवर में 21 रन देकर 2 विकेट लिए।

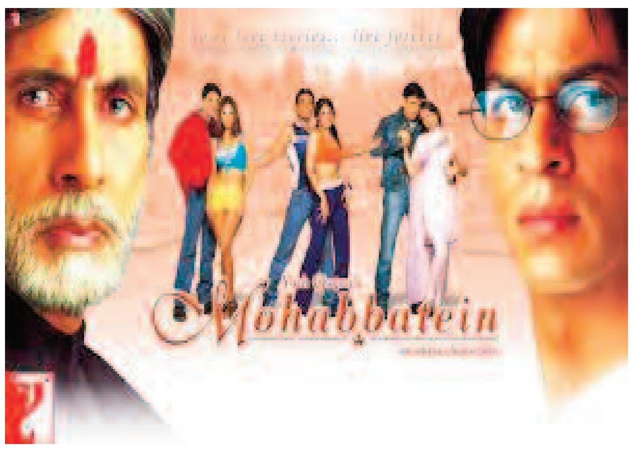

अमिताभ बच्चन,शाहरुख,ऐश्वर्या-स्टारर मोहब्बतें के 22 साल हुए पूरे

अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान और ऐश्वर्या राय बच्चन की रोमांटिक ड्रामा मोहब्बतें, जिसने प्यार की अवधारणा को फिर से परिभाषित किया, ने हिंदी सिनेमा में 22 साल पूरे कर लिए हैं।प्रोडक्शन हाउस यश राज फिल्म्स ने फिल्म के पोस्टर को इंस्टाग्राम पर साझा किया और कैप्शन दिया, 22 साल पहले जब मिस्टर राज आर्यन मल्होत्रा आए और हमें प्यार कैसे होता है सिखाया। आज मोहब्बतें फिल्म के 22 साल पूरे हो गए। मोहब्बतें 2000 में रिलीज हुई थी और इसे आदित्य चोपड़ा ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में उदय चोपड़ा, शमिता शेट्टी, जुगल हंसराज, किम शर्मा, जिमी शेरगिल और प्रीति झंगियानी भी हैं। यह गुरुकुल कॉलेज के सख्त प्रिंसिपल नारायण की कहानी बताती है, जिसकी बेटी मेघा कॉलेज में एक संगीत शिक्षक राज के साथ उसके संबंधों का विरोध करने के बाद आत्महत्या कर लेती है। कहानी तीन गुरुकुल छात्रों और उनके प्रेम हितों को नारायण के प्यार के प्रति असहिष्णुता के खिलाफ विद्रोह करने के लिए राज की सहायता करती है।

डीपनेक चोली में अवनीत कौर ने दिखाया अब तक का सबसे बोल्ड लुक,फोटो देखकर दिल पर नहीं रहेगा काबू

टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होती हैं। वहीं, उनकी अब तक सबसे हॉट तस्वीरें इंटरनेट पर जलवा बिखेर रही हैं। डीपनेक आउटफिट में एक्ट्रेस गजब की बला नजर आ रही हैं। दिवाली पर एक्ट्रेस अवनीत कौर ने पीले रंग की लहंगा चोली पहन रखी है। इस आउटफिट में एक्ट्रेस बेहद कमाल लग रही हैं। एक्ट्रेस अवनीत कौर ने पीले रंग की चोली में जबरदस्त क्लीवेज फ्लॉन्ट कर रही हैं। सोशल मीडिया पर इन तस्वीरों के बाद अवनीत कौर के फैंस आहें भर रहे हैं। साथ ही उनकी तस्वीरों पर कमेंट्स और लाइक्स कर रहे हैं। न्यूड मेकअप और साइनी हेयर स्टाइल में एक्ट्रेस को देखकर फैंस का खुद पर काबू रखना मुश्किल हो रहा है। एक्ट्रेस अवनीत कौर का ये ग्लैमरस अंदाज उनके फैंस को मदहोश कर रहा है। अवनीत कौर जल्द ही लीजेंड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म 'टीकू वेड्स शेरू' फिल्म में दिखाई देंगी। एक्ट्रेस अवनीत कौर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस के इंस्टा पर 32.8 मिलियन फॉलोवर्स हैं। एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर अपने फैंस के लिए लगातार वीडियो या फोटो शेयर करती रहती हैं। अवनीत जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टा पर शेयर करती हैं तो फैंस उनकी तस्वीरों पर जमकर लाइक करते हैं। साथ ही कॉमेंट्स के साथ रिएक्शंस भी देते हैं।

अपना बाजार
Contact
98265-32611

महिलाओं हेतु विशेष
डी.एस.एम. प्रशिक्षण केन्द्र
- हमारे यहां सिलाई, कढाई, पेंटिंग एवं टेडी बियर (खिलौना) का प्रशिक्षण दिया जाता है।
- कोर्स करने की अवधि 6 माह।
- कोर्स समाप्त होने पर डिप्लोमा दिया जायेगा।
नोट :- प्रशिक्षण के पश्चात नौकरी की गारंटी सह प्रशिक्षण
सुषमा लेडिज टेलर्स
हमारे यहा ब्लाउज, पेटीकोट, सलवार सूट, स्कूल ड्रेस सिलाई एवं पीको फॉल का काम किया जाता है।
स्थान :- फुन्दुरडिहारी चौक, महुआपारा रोड, अम्बिकापुर सरगुजा (छ.ग.) मो. 9669913653

पोताई के लिए संपर्क करें
उच्च स्तर के कारीगारों द्वारा पेंट, पॉलिस, पुट्टी निर्धारित समय अवधि में न्यूनतम दरों पर करनें की सुविधा उपलब्ध।
नोट :- सुविधा- सुरगुजा, सूरजपुरस कोरिया जिलों के लिए संपर्क करें - 78692-83557

AADI COMPUTER
CPU,LED Repairing
हमारे यहाँ सभी प्रकार के CPU,MONITOR, LED,PRINTER,CC.TV. CAMERA का रिपेरिंग एवं टोनर का रिफलिंग किया जाता है
Contact:- 8085059097,9340593823
Near Holy Cross Hospital,Mission Chowk, Tiwari Bulding Road,Ambikapur

सीएम बघेल ने निगम,मंडल,आयोग और प्राधिकरणों के रिक्त पदों पर की नियुक्तियां,कुछ सदस्य बदले भी गए

रायपुर, 29 अक्टूबर 2022। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने राज्य शासन के विभिन्न आयोगों, निगम, मण्डलों, बोर्ड और प्राधिकरणों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित अन्य रिक्त पदों पर नियुक्तियां की हैं। युवा आयोग में सदस्य पद पर अजय सिंह के स्थान पर बीजापुर जिले के प्रवीण डोंगरे को नियुक्त किया गया है।

इसी तरह महिला आयोग में सदस्य पद पर श्रीमती तुलसी साहू के स्थान पर जिला बस्तर की श्रीमती बालो बघेल, खाद्य आयोग में सदस्य पद पर कोरबा जिले के हरीश परसाई, दुर्ग जिले केराजेन्द्र महिलांग, दंतेवाड़ा जिले के विमल सुराना, रायपुर जिले के कुलदीप शर्मा, बीजापुर जिले के इम्तियाज खान और जांजगीर-चांपा जिले की श्रीमती ज्योति कश्यप को नियुक्त किया गया है।

अनुसूचित जाति आयोग में अध्यक्ष पद पर रायपुर जिले के के.पी.खाण्डे तथा सदस्य पद पर जांजगीर-चांपा जिले के श्रीराम पप्पु बघेल, रायपुर जिले के बी.एस.जागृत, सूरजपुर जिले के संतोष सारथी एवं जांजगीर-चांपा जिले के रमेश पेगवार को नियुक्त किया गया है।

पिछड़ा वर्ग आयोग में सदस्य पद पर सरगुजा जिले के साधुचरण यादव, रायपुर जिले की श्रीमती किरण सिन्हा, उत्तर बस्तर कांकेर जिले के गिरवर साहू को नियुक्त किया गया है।

राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग में सदस्य पद पर राजनांदगांव जिले की श्रीमती संगीता गजभिये को नियुक्त किया गया है।

औषधि पादप बोर्ड में उपाध्यक्ष पद पर छबिन्द्र कर्मा के स्थान पर रायपुर जिले के गुरू खुशवंत गोसाई, सदस्य पद पर बिलासपुर जिले के शुक्ला प्रसाद ध्रुवे और कांकेर जिले के बीरसिंह पद्दा को नियुक्त किया गया है।

रायपुर विकास प्राधिकरण में सदस्य पद पर रायपुर जिले की श्रीमती चन्द्रावती साहू को नियुक्त किया गया है।

अन्तव्यसायी निगम में सदस्य पद पर वेदराम मनहरे के स्थान पर बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के निलेश बंजारे को नियुक्त किया गया है।

तेलघानी बोर्ड में सदस्य पद पर गरियाबंद जिले के शैलेन्द्र साहू, सरगुजा जिले के लक्ष्मी गुप्ता और बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के रोहित साहू को नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल में उपाध्यक्ष पद पर दुर्ग जिले के केशव बंटी हरमुख, सदस्य पद पर रायपुर जिले के मंगलमूर्ति अग्रवाल, बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के आलोक मिश्रा इसी जिले के हरप्रसाद साहू, रायपुर जिले के मदन तालेड़ा, इसी जिले के नरेश गड़पाल, बालोद जिले के कृष्णा दुबे और रायपुर जिले के सुरेश मसीह को नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य जीव जन्तु कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष पद पर बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विद्याभूषण शुक्ला, उपाध्यक्ष पद पर महासमुंद जिले के आलोक चंद्राकर, सदस्य पद पर धमतरी जिले के मदनमोहन खण्डेलवाल, जांजगीर-चांपा जिले केनारायण खण्डेलिया, बेमेतरा जिले के दानेश्वर साहू, सुकमा जिले के करण देव, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के संजय जैन और रायपुर जिले के मदन देवांगन को नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल में सदस्य पद पर महासमुंद जिले के अंकित बागबाहरा, रायगढ़ जिले की श्रीमती नैना गभेल और सूरजपुर जिले की श्रीमती नीति सिंह को नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में सदस्य पद पर बेमेतरा जिले के शुभम साहू, गरियाबंद जिले के रविन्द्र सिंह राजपूत और महासमुंद जिले की श्रीमती लक्ष्मी देवांगन को नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य दिव्यांगजन सलाहकार बोर्ड में अध्यक्ष पद पर धमतरी जिले के मोहन लालवानी, सदस्य पद पर रायपुर जिले की श्रीमती साक्षी सिरमौर और रायपुर जिले की ही सुश्री पिंकी बाघ को नियुक्त किया गया है।

भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए सेना तैयार है, डेढ़ साल में लक्ष्य हासिल करेंगे: शंकराचार्य

रायपुर, 29 अक्टूबर 2022। गोवर्धन मठ पुरी पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि इसके लिए उन्होंने करोड़ों हिंदुओं की सेना तैयार कर ली है। डेढ़ साल में वे अपना लक्ष्य हासिल कर लेगे। रावांभाठा स्थित सुदर्शन संस्थानम् में मीडिया से बातचीत में शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती ने कहा कि दुनिया में कितने ही देश हैं। सभी अपने-अपने धर्म को खुलकर मानते हैं। दुर्भाग्य है कि भारत को धर्म निरपेक्ष राष्ट्र की संज्ञा दी जाती है।

सूर्यकांत तिवारी 12 दिन की रिमांड मंजूर, ईडी करेगी पूछताछ

रायपुर, 29 अक्टूबर 2022। छत्तीसगढ़ के कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी ने ईडी की स्पेशल कोर्ट में सरेंडर करने के बाद कोर्ट ने उन्हें 12 दिनों की रिमांड पर जेल भेज दिया है।बता दें कि ईडी में 15 दिनों की रिमांड मांगी थी। मगर कोर्ट ने ईडी को 12 दिन की ही मंजूरी दी है। बता दें कि ईडी स्पेशल कोर्ट के मजिस्ट्रेट अजय सिंह राजपूत की स्पेशल कोर्ट में सूर्यकांत तिवारी ने शनिवार को आत्मसमर्पण किया है। सूर्यकांत तिवारी के खिलाफ ईडी में मनी लॉड्रिंग को लेकर जांच चल रही है। पिछ्ले दिनों ईडी ने जो अधिकृत विज्ञप्ति जारी की थी, तो उस दौरान सूर्यकांत तिवारी को फरार बताया गया था। सूर्यकांत ने सरेंडर के लिए कोर्ट पहुंचकर कहा मैं आत्मसमर्पण के लिए आया हूं। कृपया अभिरक्षा में लें तो स्पेशल कोर्ट के न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत ने कहा-ईडी ने अब तक गिरफ्तारी के लिए कोर्ट से अनुमति नहीं मांगा है फिर क्योंज्तो इस पर सूर्यकांत ने कहा मुझे भय है इसके बाद ही ईडी को सूचना दी गई।

सूर्यकांत तिवारी के खिलाफ ईडी में मनी लॉड्रिंग को लेकर जांच चल रही है। पिछ्ले दिनों ईडी ने जो अधिकृत विज्ञप्ति जारी की थी, तो उस दौरान सूर्यकांत तिवारी को फरार बताया गया था। पिछ्ले करीब 15 दिनों से फरार चल रहे सूर्यकांत तिवारी ने आज शाम जिला कोर्ट में सरेंडर किया। आपको बता दें कि इस मामले में पहले ही आईएएस समीर विश्नोई, सूर्यकांत के रिश्तेदार लक्ष्मीकांत तिवारी, कारोबारी सुनील अग्रवाल को गिरफ्तार किया गया था।

कांट्रेक्टर को हत्या के आरोपी ने दी धमकी,वसूल रहा सट्टे में हारे हुए 40 लाख रुपए

बिलासपुर, 29 अक्टूबर 2022। शहर में चल रहे सट्टे में व्यापार विहार निवासी कांट्रेक्टर 40 लाख रुपए हार गया है। उससे रुपए वसूल करने के लिए सट्टेबाज ने हत्या के केस में फरार आरोपी वसीम खान को ठेका दे दिया है। अब फरार आरोपी वसीम खान कांट्रेक्टर को कांफ्रेंस कॉल कर धमकी दे रहा है। कांट्रेक्टर, वसीम खान और सट्टेबाज के बीच बातचीत और धमकी का ऑडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें वसीम खान खुद कह रहा है कि वह 302 के केस में अपराधी है, और फरार है। फिर भी शहर में उसके लड़के हैं, जो उसे शूट कर अपना काम कर देंगे, और उसे पता भी नहीं चलेगा। इससे परेशान कांट्रेक्टर ने स्स्क पारुल माथुर से शिकायत कर कार्रवाई करने की मांग की है।

जानकारी के अनुसार व्यापार विहार में रहने वाले विजय सिंह ठाकुर कांट्रेक्टर हैं। उसे हत्या के केस में फरार आरोपी वसीम खान धमकी दे रहा है। उसने अपनी शिकायत में बताया कि, तिफरा में रहने वाला प्रेम उर्फ बजरंग श्रीवास सट्टा चलाता है। उसने कांट्रेक्टर विजय सिंह को सट्टे में रकम लगाने पर मोटी रकम जीतने का झांसा दिया। उसके कहने पर उसने क्रिकेट मैच में सट्टा खेला था। पहले उसने 38 लाख रुपए जीत लिए। फिर बाद में वह 40 लाख रुपए हार गया। अब सटोरिया प्रेम श्रीवास उसे हारे हुए रकम को देने के लिए दबाव बना रहा है।

विदेशी मेहमान छत्तीसगढ़ आने के लिए अपने देशों से हुए रवाना

रायपुर, 29 अक्टूबर 2022। छत्तीसगढ़ में आयोजित तृतीय राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में शामिल होने के लिए विदेशी राज्यों के मेहमान छत्तीसगढ़ आने के लिए अपने देशों से रवाना हो चुके हैं। ये विदेशी मेहमान अपने देशों के आदिम संस्कृति को नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। 1 नवंबर से 3 नवंबर तक राजधानी रायपुर के साइंस कालेज ग्राउंड में आयोजित राष्ट्रीय आदिवासी नृत्य महोत्सव में सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों समेत मोजांबिक, मंगोलिया, टोंगो, रशिया, इंडोनेशिया, मालदीव, सर्बिया, न्यूजीलैंड और इजिप्ट के जनजातीय कलाकार शामिल होंगे।

नेशनल ट्राइबल डांस फेस्टिवल में दो कैटेगिरी में प्रतियोगिताएं होंगी। विजेताओं को कुल 20 लाख रुपए के पुरस्कारों का वितरण किया जाएगा। प्रथम स्थान के लिए 05 लाख रुपए, द्वितीय स्थान के लिए 03 लाख रुपए और तृतीय स्थान के लिए 02 लाख रुपए के पुरस्कार दिए जाएंगे। 01 नवंबर को सुबह नृत्य महोत्सव का शुभारंभ होगा और शाम को राज्योत्सव के अवसर पर राज्य अलंकरण दिया जाएगा। 03 नवंबर को नेशनल ट्राइबल डांस फेस्टिवल का समापन होगा। इस महोत्सव के माध्यम से न केवल राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जनजातीय कलाकारों के बीच उनकी कलाओं की साझेदारी होगी, बल्कि वे एक-दूसरे के खान-पान, रीति-रिवाज, शिल्प-शैली को भी देख-समझ सकेंगे। महोत्सव के दौरान संगोष्ठियां भी होंगी, जिनमें जनजातीय विकास के बारे में विमर्श होगा। जाने-माने विशेषज्ञ भी इसमें शामिल होंगे।

कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी ने किया सरेंडर,कई दिनों से था फरार

रायपुर, 29 अक्टूबर 2022। कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी ने शनिवार को जिला अदालत में सरेंडर कर दिया है। एडीजे अजय सिंह राजपूत की अदालत में सरेंडर किया है। तिवारी के खिलाफ ईडी मनी लॉड्रिंग प्रकरण में जांच कर रही है। वो पखवाड़ेभर से फरार था। ईडी ने उसे मुख्य आरोपी बनाया है। इससे पहले ईडी ने आईएएस समीर विश्नोई, सूर्यकांत के चाचा लक्ष्मीकांत तिवारी, और कारोबारी सुनील अग्रवाल को गिरफ्तार किया था। तीनों न्यायिक अभिरक्षा में है।

बता दें कि राजनीतिक अपनी काफी रसूख रखने वाले कोयला कारोबारी सूर्यकांत तिवारी का निवास छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले का बताया जाता है। ये भी बताया जाता है की उसके करियर और राजनीतिक व्यापारी इसी जिले से हुई थी।

जून में सूर्यकांत तिवारी सहित अन्य अधिकारियों के यहां छापे के बाद आयकर विभाग ने कहा था कि 9.5 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित नकदी और लगभग 5 करोड़ रुपये आभूषण जब्त किया गया। 200 करोड़ रुपये से अधिक के कलेक्शन के सबूत मिलने की बात कही गई थी। सूत्रों के मुताबिक आईटी के हाथ राजनीतिक फंडिग के साथ ही मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े कुछ अहम दस्तावेज लगे थे।

आदिवासियों के लिए रोजगार,शिक्षा जरूरी हैं या नृत्य ?

रायपुर, 29 अक्टूबर 2022। भारतीय जनता पार्टी के महामंत्री व पूर्व मंत्री केदार कश्यप व अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष विकास मरकाम ने प्रेस वार्ता कर प्रदेश की वर्तमान स्थिति पर चिंता जाहिर किया है। भाजपा नेताओं ने बताया कि पूरे प्रदेश के 32त्न आदिवासी आबादी कांग्रेस की इस ठगेश सरकार से नाराज है। विभिन्न जिलों के दर्जनों आदिवासी संगठनों ने राज्यपाल और जिला कलेक्टरों को ज्ञापन सौंपकर अपनी नाराजगी जताई है।

बीजेपी ने सवाल किया है कि भूपेश बघेल और कांग्रेस सरकार स्पष्ट करें आदिवासियों के लिए शिक्षा और नौकरी के अधिकार जरूरी है या नृत्य ? आदिवासी नृत्य महोत्सव के औचित्य पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है और उनके द्वारा इस नृत्य महोत्सव के बहिष्कार की भी घोषणा की गई है। आदिवासी समाज की इस भारी नाराजगी को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी भी भूपेश बघेल की इस सरकार से सवाल पूछती है कि-

प्रदेश का 32% आबादी वाला सम्पूर्ण आदिवासी समाज जब आदिवासी नृत्य महोत्सव का विरोध कर रहा है तब भूपेश बघेल यह नृत्य महोत्सव किसके लिए करवा रहे हैं?

आदिवासियों के 32% आरक्षण का संवैधानिक अधिकार इस सरकार की लापरवाही के कारण छीन लिया गया है तो फिर यह कांग्रेस सरकार क्यों आदिवासियों के नाम पर महोत्सव मनाकर हमारे जले में नमक छिड़क रही है?

» पूर्व मंत्री केदार कश्यप व अनुसूचित जनजाति मोर्चा के अध्यक्ष विकास मरकाम ने प्रेस वार्ता कर भूपेश सरकार के आयोजन को कटघरे में ला खड़ा किया है

बस्तर, सरगुजा और बिलासपुर संभाग के पांचवी अनुसूची वाले जिलों से स्थानीय भर्ती में 100% प्राथमिकता का अधिकार छीनकर क्या भूपेश बघेल खुशी मनाना चाहते हैं और इसीलिए आदिवासी नृत्य महोत्सव का आयोजन कर रहे हैं?

आदिवासी समाज अपने संवैधानिक अधिकारों की प्राप्ति के लिए लड़ाई लड़ रहा है और प्रदेश की यह आदिवासी विरोधी सरकार देश-विदेश से आदिवासियों को बुलाकर प्रदेश के आदिवासियों का अपमान क्यों कर रही है?

भूपेश बघेल और कांग्रेस सरकार स्पष्ट करें आदिवासियों के लिए शिक्षा और नौकरी के अधिकार जरूरी है या नृत्य ? वो नाच गाना दिखाकर बहलाने की कोशिश करेंगे , तुम अपने 32प्रतिशत की मांग पर अड़े रहना।

छठ पर्व पर जन-जन को
हार्दिक शुभकामनाएं...
गजेन्द्र नारायण सिंह
श्रीमती मुखरानी देवी
जी.एन.सेवा समिति अम्बिकापुर

सूर्योपासना का महापर्व
छठ पर्व
की हार्दिक शुभकामनाएं...
डॉ. अर्पण सिंह चौहान
डॉ. श्रीमती पुष्पा सिंह
अनिल सिंह "बहर"
अध्यक्ष - क्षत्रिय महासभा अम्बिकापुर
हेमन्त तिवारी
सौजन्य : बिरेन्द्र - प्रभा पेट्रोल पम्प बिशुनपुर, अम्बिकापुर

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)